राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 173 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

गणेश उत्सव से पहले देश में आतंकी हमले का बड़ा अलर्ट

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों ने देश में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश किया है, जिसके तार सीधे तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआई ने नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय समेत देश के अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले की साजिश रची है। इस नापाक मंसूबे को अंजाम देने के लिए जैश-ए-मोहम्मद लश्कर-ए-तैयबा और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों को सक्रिय किया गया है। खुफिया इनपुट के मुताबिक, आतंकियों का मुख्य उद्देश्य आगामी गणेश उत्सव जैसे बड़े त्योहारों के दौरान हमला कर आम जनता में दहशत और भय का माहौल पैदा करना है। जानकारी मिली है कि आतंकी तत्वों द्वारा देशभर में मंदिरों, भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों और विशेष रूप से गणपति पंडालों की रेकी की जा रही है। इस गंभीर खतरे को देखते हुए देश की सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

बिजनेस करने वालों के लिए मुफ्त जमीन और 40 करोड़ रुपए तक की मिलेगी ब्याज सब्सिडी

पटना। बिहार में औद्योगिक निवेश के दरवाजे खोलते हुए नीतीश सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दे दी गई है। इस नई नीति के तहत राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश करने वाली कंपनियों को मुफ्त जमीन से लेकर टैक्स में भारी छूट जैसे कई बड़े प्रोत्साहन दिए जाएंगे। कैबिनेट बैठक में कुल 26 एजेंडों पर मुहर लगी, जिसमें यह औद्योगिक पैकेज सबसे अहम रहा। बैठक के बाद मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पैकेज का मुख्य उद्देश्य बिहार को एक प्रमुख निवेश गंतव्य बनाना, नए उद्योगों को आकर्षित करना और राज्य में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। नई औद्योगिक नीति के तहत, बिहार सरकार ने बड़े निवेशकों के लिए बंपर ऑफर्स की घोषणा की है।

बस्तर संभाग में बारिश का तांडव

जगदलपुर में तीन मंजिला मकान धंसा-जान बचाकर भागे लोग

जगदलपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बाढ़ का 'तांडव' जारी है। लगातार बारिश होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बस्तर संभाग के कई जिलों में बारिश का जलजला देखने को मिल रहा है। लगातार चार दिनों से बारिश कहर बरपा रही है। लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बुधवार की रात को जगदलपुर के श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड में बनी एक पुराने मकान का प्रथम दल अचानक से धंस गया। एसडीआरएफ टीम के साथ ही मेयर और निगम दस्ता भी बचाव कार्य में लगा है। पीड़ितों को बाहर निकालकर राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। सूचना पर एसडीआरएफ टीम के साथ ही महापौर और निगम दस्ता मौके पर पहुँचा, जहाँ पीड़ित परिवार को बाहर निकाला गया। बस्तर में लगातार हो रही बारिश के थमने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। सड़कों में भरे बारिश का पानी धीरे धीरे सड़क से नीचे उतर रहा है। वहीं पुल-पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद उसका सर्वेक्षण कार्य भी शुरू हो गया है। बरसात के चलते जिन-जिन लोगों के घर ढहे हैं, उनका भी सर्वे करने के साथ ही मुआवजा राशि देने के लिए कहा जा रहा है। बीती रात को श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड में एक पुराने घर का पहला मंजिल धंस गया, जिसकी जानकारी लगते ही परिजन बाहर निकाले। दूसरी ओर सुकमा के यहां के 611 से ज्यादा राहत शिविरों में लोग को सुरक्षित रखा गया है। यहां पर हर तरह की मूलभूत

सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने भोजन और ठहरने की पुख्ता व्यवस्था की है। लगातार बारिश होने से नदी और नालों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने लोगों से अपील की है कि स्थिति सामान्य होने तक वो अनावश्यक यात्रा से बचें। वहीं एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ और बरसात में फंसे 611 से ज्यादा लोगों की जान बचाई है। सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावित जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य करे । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान बस्तर संभाग में आई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए। सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावित जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

एक साल की बच्ची के जन्मदिन की खुशियां मातम में बदलीं, पालघर में इमारत ढही, 15 की मौत

महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, क्योंकि बचाव दल ने बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात तीन और शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 50 फ्लैटों वाली यह अनधिकृत चार मंजिला इमारत बुधवार रात 12.05 बजे विरार इलाके के विजय नगर में एक खाली पड़े मकान पर गिर गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 50 फ्लैट वाली यह अनधिकृत चार मंजिला इमारत मंगलवार रात 12 बजकर पांच मिनट पर विरार इलाके के विजय नगर में एक खाली पड़े मकान पर गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चौथी मंजिल पर एक साल की बच्ची का जन्मदिन मनाया जा रहा था, तभी इमारत के एक हिस्से में 12 फ्लैट ढह गए, जिससे फ्लैट में रहने वाले लोग और मेहमान मलबे में दब गए।

आर-पार के मूड में सीएम ममता बनर्जी

जब तक मैं जिंदा हूं,लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी....

कोलकाता/ संवाददाता

बिहार के बाद अन्य राज्यों में गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष इसे लेकर लगातार मोदी सरकार और चुनाव आयोग का विरोध कर रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने खुले शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की

छात्र शाखा की रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से पश्चिम बंगाल में 500 से ज्यादा टीमें तैनात की हैं। रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब आपको खुद जांच करनी होगी कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। आगे बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगालियों द्वारा निभाई गई।

केजरीवाल का हमला-कांग्रेस ने दिया करारा जवाब

नेशनल हेराल्ड केस....में गांधी परिवार से कोई जेल नहीं गया

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली में पार्टी के सभी विधायकों, निगम पार्षदों और सभी पूर्व प्रत्याशियों के साथ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुलाकात की और सभी को संबोधित भी किया। इस दौरान पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड के मामले में आजतक गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति जेल नहीं गया। 2014 का लोकसभा चुनाव जीजा जी के नाम पर लड़ा और जीता गया मगर उसपर भी कुछ नहीं किया गया। आजकल तो लोग कह रहे हैं कि कांग्रेस ने

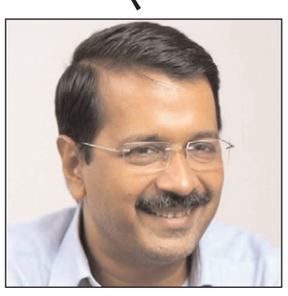

कॉम्प्रोमाइज कर रखा है। आम आदमी पार्टी कॉम्प्रोमाइज की राजनीति नहीं करती है। आगे कहा कि हाल ही में सौरभ भारद्वाज के घर पर छापा मारा। इस दौरान ईडी ने सौरभ भारद्वाज के ऊपर बयान बदलने का दबाव बनाया। ईडी वाले सौरभ भारद्वाज को गिरफ्तार की धमकी देने लगे। तब इन्होंने साफ कर दिया, मुझे गिरफ्तार करना है तो कर लो। ईडी ने परिवार को भी डराने की कोशिश की लेकिन कोई डरा नहीं। आगे केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार छह महीने में ही बेहाल हो गई। दिल्ली में भाजपा की छह महीने से सरकार है और इन्होंने दिल्ली का बहुत बुरा हाल कर दिया है। अब दिल्लीवालों को भी एहसास हो गया कि आम आदमी पार्टी की सरकार कितनी अच्छी थी। दिल्ली में बिजली कटौती नहीं होती थी। लेकिन बीजेपी सरकार में बिजली का बुरा हाल है।

लाडो लक्ष्मी योजना लागू

हरियाणा की महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये सीएम ने किया एलान,25 सितंबर से लागू होगी

चंडीगढ़ । हरियाणा में दीन दयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा कर दी गई है। योजना 25 सितंबर से लागू होगी। सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसका एलान किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सीएम सैनी ने कहा कि कैबिनेट ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का निर्णय लिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर 2025 से इस योजना का शुभारम्भ होगा। सीएम ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को

हर महीने 2100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। 25 सितंबर को हरियाणा की 23 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसमें विवाहित और अविवाहित दोनों ही तरह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। पहले चरण में, उन परिवारों को शामिल किया गया है, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। आने वाले समय में, चरणबद्ध तरीके से अन्य आय समूह को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए अविवाहित महिला का या विवाहित महिला के पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यदि एक परिवार में तीन महिलाएं हैं, तो उन तीनों महिलाओं को लाभ मिलेगा। सीएम ने कहा कि सरकार द्वारा पहले से चलाई जा रही ऐसी नौ योजनाओं, जिनमें आवेदिका को पहले से ही अधिक राशि की पेंशन का लाभ मिल रहा है, उन्हें लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। स्टेज 3 और 4 कैंसर पीड़ित मरीजों (महिलाओं),सूचीबद्ध 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिलमिया और स्किन सेल से पीड़ित मरीजों को पहले से पेंशन मिल रही है। इन महिलाओं को इस योजना का भी अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। जिस दिन कोई अविवाहित लाभार्थी 45 वर्ष की आयु पूरा करेगी उस दिन वे ऑटोमैटिक विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना के लिए पात्र हों जाएंगी। जिस दिन लाभार्थी महिला 60 वर्ष की आयु की होगी।

जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने मनोज सिन्हा पर उठाए सवाल, कहा- 35 श्रद्धालुओं की मौत नहीं हुई,उन्हें मारा गया

नई दिल्ली। वैष्णो देवी यात्रा भूस्खलन को लेकर राजनीति तेज़ हो गई है। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से जवाब मांगा है कि इलाके में बादल फटने और भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रा क्यों नहीं रोकी गई। रियासी ज़िले में वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के बाद कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई। डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने कहा कि वैष्णो देवी यात्रा की घटना को लेकर एलजी मनोज सिन्हा को जवाब देना चाहिए। एलजी के कार्यकाल में पहले भी भगदड़ मची थी। जब बादल फटने और भारी बारिश का अलर्ट था, तब यात्रा क्यों नहीं रोकी गई? सुरिंदर चौधरी ने कहा कि माता वैष्णो देवी के 35 श्रद्धालुओं की मौत नहीं हुई, बल्कि उन्हें मारा गया। इसके पीछे आपराधिक साजिश है। इसकी जांच होनी चाहिए। मैं पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध करता हूं कि एलजी मनोज सिन्हा और अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए। उन्होंने साफतौर पर कहा कि सख्त कार्रवाई की जाए और एफ्आईआर भी दर्ज की जाए। इससे पहले बुधवार को, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इसी तरह के सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाले श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भारी बारिश की पूर्व चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रा जारी रखने की अनुमति क्यों दी।

संक्षिप्त समाचार

जिला क्रिकेट एसोसिएशन अंडर 19 वर्ग के खिलाडियों का चयन

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ क्रिकेट बोर्ड के कैलेंडर-अनुशार, दुर्ग जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में - खिलाडियों का चयन सत्र 2025 के अंडर 19 वर्ग का 31 अगस्त 2025 को सुबह 8.30 से 12:00 बजे, स्थान रविशंकर स्टेडियम, दुर्ग किया जायेगा द्य चयनित खिलाड़ी क्रिकेट बोर्ड- बीसीसीआई, सीएससीएस एवं डीडीसीए के टूर्नामेंट, ट्रेनिंग कैम्प तथा सिलेक्शन मैच में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगें। ट्रायल्स से संभावित खिलाडियों का चयन चयनकर्ताओं तथा छ.ग. क्रिकेट बोर्ड आब्जर्वर के देख रेख में किया जायेगा द्य अंडर 19 वर्ग के खिलाडियों का चयन उनके क्रिकेट कौशल - बैटिंग, बोलिंग एवं विकेट कीपिंग, तथा फील्डिंग एवं फिजिकल टेस्ट के आधार पर लिया जायेगा द्य अंतिम20 सदस्यी जिला टीम का चयन - सिलेक्शन मैच के आधार पर किया जायेगा। अर्हताएं ट्रायल्स में भाग लेने हेतू - अंडर 19 खिलाडियों का कट ऑफ़ डेट 1/9/2007 के खिलाड़ी भाग ले सकतें है द्य चयन की आवश्यकता ङ्क रजिस्ट्रेशन फॉर्म एवं शुल्क, डिजिटल / मैन्युअल जन्म प्रमाण फोटोकॉपी,स्कूल मार्कशीट विगत 6 साल, बैंक पासबुक, पैन कार्ड की फोटोकॉपी, नवीन पासपोर्ट कलर फोटो द्य अन्य जिला से ट्रान्सफर खिलाडियों का नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट द्य क्रिकेट गणवेश व् किट के साथ उपस्थित होवें द्य श्रीमान महोदय जी से निवेदन है की अख़बार में प्रकाशित कर सभी जूनियर खिलाडियों एवं एसोसिएशन को अनुग्रहित करने की कृपा करेंगे।

4 था राज्य कुडो टूर्नामेंट में दुर्ग जिला बना ओवर आल चैंपियन

दुर्ग (समय दर्शन)। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक भवन दुर्ग में दिनांक 22 से 24 अगस्त तक हुए चतुर्थ राज्य स्तरीय कुडो टूर्नामेंट में दुर्ग जिला कुडो संघ बना ओवर आल चैंपियन. दृतीय स्थान पर बेमेतरा और तृतीय स्थान पर बलरामपुर रहा।

कुडो संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजा कौशल ने मिडिया को जानकारी दिया की लगातार 4 वर्षों से अबतक दुर्ग जिला कुडो संघ प्रथम स्थान हासिल कर रहा है. इस प्रतियोगिता में 24 जिले के 800 से ज्यादा खिलाड़ीयों ने हिस्सा।

आयोजन के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर ने खिलाड़ियों को सम्बोधित किया और पुरस्कार वितरण किया ग्रामीण विधायक ने कहा छत्तीसगढ़ कुडो संघ के प्रयासों से राज्य में कुडो खेल आगे बढ़ रहा है और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है।

खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह हमें अनुशासन. टीम वर्क कड़ी मेहनत का महत्व सिखाता है।

कार्यक्रम के दौरान दूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता बने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया विधायक ललित चंद्राकर ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा की उनकी इस उपलब्धी पर राज्य का नाम रौशन हुआ इस अवसर पर विशेष अतिथि दुर्ग नगर निगम महापौर अलका बाघमार राज्य कुडो संघ की चेयरमेन अनुराधा. सिह एम आई सी सदस्य शशि साहू. उपाध्यक्ष लिलीमा सोनी. सचिव मनीष साहू कोषाध्यक्ष भूपत साहू और सभी जिले से आये कुडो खेल के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

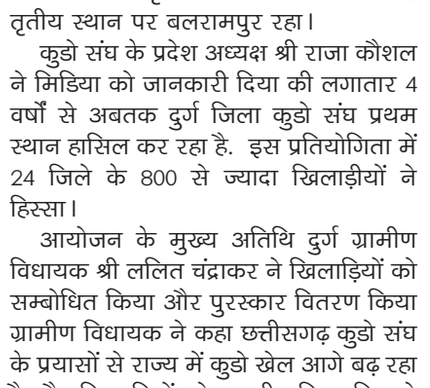

निधन : बाबूलाल केंवट

बिर्रा -समीपस्थ ग्राम डोमाडीह के पूर्व सरपंच व केंवट निषाद समाज केंद्रीय समीति शिवरीनारायण के कोषाध्यक्ष सनत कुमार केंवट के पिताजी बाबूलाल केंवट उम्र 80 वर्ष का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम डोमाडीह में किया गया। अंतिम संस्कार में स्वजातीय बंधु सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

तीजा-पोरा के अवसर पर, मटकी फोड़, खो-खो, कुर्सी दौड़ का आयोजन

कार्यक्रम के विजेताओं को अशवंत कुमार साहू ने पुरस्कार से सम्मानित किया

महासमुन्द(समय दर्शन)। महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अछोली के रामायण चौक में युवा उत्सव समिति के तत्वाधान में तीजा-पोरा, उत्सव समारोह मटकी फोड़, खो-खो, कुर्सी दौड़, कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू शामिल हुए।

कार्यक्रम के शुभारंभ के पुर्व गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। क्षेत्र वासियों के सुख-समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की कि, विघ्नहर्ता श्री गणेश जी सबके जीवन से विघ्न दूर कर खुशहाली प्रदान करें।

मटकी फोड़ में चमेली साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कुर्सी दौड़ में पूनम साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, शारदा (डेरहीन साहू) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, खिलेश्वरी साहू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

खो — खो में पूनम साहू की टीम प्रथम स्थान

शारदा (डेरहीन साहू) की टीम

के बहनों को पुरस्कार से सम्मानित कर नगद ईमान सभी सदस्यों दिया और सभी बहनों की उज्जवल भविष्य की कामना किया। पूनम साहू ने अपने सम्बोधन में कहा कि,यह कार्यक्रम हमें अपने बचपन की याद दिलाती है। कबड्डी, मटकी फोड़, खो-खो हम लोग स्कूल टाइम में अपने गांव में रहकर खेला करती थी आज यह यादें ताजा हो गई है और आयोजन के सभी सदस्यों को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करती हूं ऐसा ही कार्यक्रम हर साल के भांति कराते रहे, जिसमें हमें एक मंच के माध्यम से हमें अपने बचपन को याद करने का औसर प्राप्त होता है।

शारदा (डेरहीन साहू) ने आयोजक समिति और और समस्त ग्राम वासियों को गणेश चतुर्थी और तीजा-पोरा त्यौहार की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संतोष साहू, विष्णु साहू, गोवर्धन साहू, मन्नू साहू, खिलेश्वर साहू, कमलेश साहू, मोहन साहू, पुष्कर साहू ,नीलकंठ साहू व समिति के सदस्य व ग्राम वासी उपस्थिति रहे।

बाहरी लोगों का पंचायत में कब्जा, पंचायत के बैठक में पंच प्रतिनिधियों

जांजगीर //,समय दर्शन // ग्राम पंचायत विकास खंड स्तर एवं जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में आरक्षण के तहत चुनकर आई हुई महिला सदस्यों के स्थान पर उनके प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग करने पर रोक लगा दी गई है। इसके बाद भी नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। जनपद पंचायत जैजैपुर के ग्राम पंचायत किकिरदा में गुरुवार को पंचायत का बैठक लिया गया जिसमें पंचायत में बाहरी लोग का कब्जा हैं,यहां पंचायत के बैठक में सरपंच-सचिव, उपसरपंच,पंचो के अलावा पंच प्रतिनिधि,और बाहरी लोग भी बैठक में भाग लेते है और इसपर आपत्ति कि जाती हैं तो पंच प्रतिनिधियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए मारपीट को उतारु हो जाते हैं।

प्रमुख सचिव पंचायती राज ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था ग्राम पंचायत क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत की आरक्षण के तहत चुनकर आई हुई महिला सदस्य के प्रतिनिधि को कार्यालयों में प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। शासन का मानना है कि पंचायत को सशक्त बनाने के लिए महिलाओं को आरक्षण दिया गया है। महिला प्रतिनिधियों के कार्य करने से महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी ।पंचायत के बैठक में कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं होगा। लेकिन इसका पालन ग्राम पंचायत किकिरदा में नहीं हो रहा यहां सरपंच-सचिव द्वारा मनमानी करते हुए बाहरी लोगों को पंचायत के बैठक में बैठाया जा रहा है ।नियम के बात भी निर्वाचित महिला के प्रतिनिधि पति,बाहरी व्यक्ति द्वारा बैठक में भाग लिया जा रहा है।

वही नियम के तहत निर्वाचित पंचायत सदस्य तथा उनके स्थान पर उनके पुरुष संबंधी द्वारा बलपूर्वक बैठक में उपस्थित होने की बात संज्ञान में आती है। एफ्आईआर दर्ज भी किया जा सकता है।

पंचायत के बैठक में बाहरी लोगों को बैठाया जा रहा है जिसका विरोध करने पर गाली-गलौज किया जाता है

सतानंद जायसवाल पंच वार्ड क्र.06

पंचायत के बैठक में निवार्चित जनप्रतिनिधियों के अलावा कोई भाग नहीं ले सकता इसका आदेश जारी करा दिया गया है,मामले का जांच कराती हूं

वर्षा रानी चिकनजूरी
सीईओ (जनपद पंचायत जैजैपुर)

नशे के दुष्प्रभाव के संबध में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नशे से दूर रहने हेतु ली गई शपथ

मुंगेली(समय दर्शन)कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में पथरिया विकासखण्ड के लौदा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और लोरमी स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों हेतु नशीली औषधियों एवं तंबाकू उत्पादों के हानिकारक प्रभावों के संबध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत स्कूली छात्र एवं छात्राओं को नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई तथा शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि निरीक्षक श्रीमती किरण सिंह एवं रब्बेश बरगाह द्वारा नशीली औषधियों से होने वाले हानिकारक प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि विभिन्न नशीली औषधियों जैसे मार्फिन, कोडीन, ट्रामाडोल, नाइट्राजेपम, कफ सिरप एवं इंजेक्शन आदि दर्द या बीमारी मे राहत देने के लिए बनी है, लेकिन जब इन्हे डाक्टर की सलाह के बिना, केवल नशे के लिया जाता है, तो ये जहर बन जाती है। औषधि निरीक्षको द्वारा बताया गया कि नशीली औषधियों के असर से शरीर कमजोर और बीमार हो जाता है। कार्यक्रम के समापन में सभी छात्र, छात्राओं एवं उपस्थित शाला स्टाफ द्वारा नशे से दूर रहने की शपथ ली गई।

सैमसंग ने किया 'किड्स डे सैमसंग - 2025' का आयोजन, वर्कप्लेस बना प्लेग्राउंड

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज 'किड्स डे सैमसंग - 2025' का आयोजन किया। यह एक अनूठा उत्सव था, जिसमें कर्मचारी, उनके बच्चे और जीवनसाथी एक ही जगह पर इकट्ठा हुए ताकि सैमसंग परिवार का हिस्सा होने का गर्व महसूस कर सकें। गुरुग्राम में सैमसंग के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित इस दिनभर के कार्यक्रम को परिवारों को यादगार पल देने और अगली पीढ़ी को सपने देखने, इनोवेशन करने और टेक्नोलॉजी को एक्स्प्लोर करने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। सैमसंग परिवार का उत्सव इस कार्यक्रम ने बच्चों को उनके माता-पिता के साथ सैमसंग की

दुनिया में आने, उनके वर्कप्लेस को देखने और कंपनी की इनोवेशन व देखभाल की संस्कृति को महसूस करने का मौका दिया। कर्मचारियों के जीवनसाथी भी इस आयोजन में शामिल हुए, जिससे यह परिवारों के लिए एकजुटता का सच्चा उत्सव बन गया। सैमसंग इंडिया के पीपल टीम के प्रमुख रिषभ नागपाल ने कहा, किड्स डे ञसैमसंग सिर्फ हमारे दरवाजे और दिल खोलने की बात नहीं है; यह बच्चों के दिमाग को नए विचारों के लिए खोलने का प्रयास है। हम चाहते हैं कि परिवार हमारे वर्कप्लेस में आकर सैमसंग का हिस्सा होने का गर्व महसूस करें। इस साल का उत्सव हमारी उस कोशिश को दिखाता है, जो अगली पीढ़ी को रचनात्मक, विचारशील और इनोवेटर बनने के लिए प्रेरित करता है, साथ ही हमारे सैमसंग परिवार के रिश्तों को और मजबूत करता है।

युवा दिमागों को प्रेरित करना- नो सैमसंग (सैमसंग को जानें) अनुभव के अंतर्गत, बच्चों ने बिजनेस एक्सपीरियंस स्टूडियो का दौरा किया, जहां उन्होंने सैमसंग के अत्याधुनिक उत्पादों और स्मार्टथिंग्स इकोसिस्टम का लाइव डेमो देखा। बच्चों ने मिनी सीईओ चैलेंज में भी हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने अगर मैं सैमसंग का सीईओ होता, तो मैं कौन सा प्रोडक्ट लॉन्च करता पर विचार-मंथन किया। इस गतिविधि ने उन्हें रचनात्मक रूप से सोचने और तकनीक के भविष्य की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सिंबा की दहाड़ वर्ल्ड बीयर अवॉर्ड्स 2025 में

नई दिल्ली: भारत की अग्रणी होमग्रोन क्राफ्ट बीयर ब्रांड सिंबा ने प्रतिष्ठित वर्ल्ड बीयर अवॉर्ड्स 2025 में शानदार उपलब्धि हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में दुनिया की बेहतरीन बीयर ब्रांड्स के साथ मुकाबला करते हुए, सिंबा ने इंडिया कंट्री विनर्स - टेस्ट कैटेगरी में दो सम्मान अपने नाम किए: सिल्वर अवॉर्ड: Simba Wit (व्हीट बीयर: बेल्जियन स्टाइल विटबियर)
ब्रॉन्ज अवॉर्ड: Simba Stout (स्टाउट एंड पॉर्टर: स्टाउट - ड्राई एवं आयरिश स्टाइल)

वर्ल्ड बीयर अवॉर्ड्स ब्रुअर्स, राइटर्स और इंडस्ट्री विशेषज्ञों की ज्यूरी द्वारा ब्लाइंड टेस्टिंग से आयोजित किया जाता है और इसे विश्व की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में गिना जाता है। इस उपलब्धि ने सिंबा को वैश्विक स्तर पर शीर्ष ब्रूअरीज की श्रेणी में शामिल कर दिया है और यह ब्रांड की गुणवत्ता, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ के हृदय से जन्मी सिंबा बीयर अब भारत की उभरती क्राफ्ट बीयर संस्कृति का प्रतीक बन गई है। क्षेत्र से गहरे जुड़े अपने मूल के साथ, सिंबा उपभोक्ताओं को ऐसा दमदार और ताज़गीभरा स्वाद प्रदान करती है, जो छत्तीसगढ़ की जीवंतता और जज़्बे को बखूबी दर्शाता है इस अवसर पर सिंबा बीयर के सह-संस्थापक एवं सीओओ, इश्वराज सिंह भाटिया ने कहा, हम बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं कि सिंबा ने इतने बड़े वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। हमारी शुरुआत से ही सोच रही है कि भारतीय क्राफ्ट बीयर को दुनिया के नक्शे पर लाना है, और यह सम्मान हमारी टीम की मेहनत, जुनून और गुणवत्ता के प्रति समर्पण का नतीजा है।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने खेल संघो के पदाधिकारियों की बैठक लेकर खेल गतिविधियों के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक होंगे विभिन्न खेल एवं फिट्नेस गतिविधियों का आयोजन

29 अगस्त को फिट्नेस रैली, फिट इंडिया शपथ, राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं संघ के पदाधिकारियों का सम्मान एवं सांसद खेल महोत्सव का होगा शुभारंभ

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन के संबंध में अधिकारियों एवं खेल पदाधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम एवं जिला खेल अधिकारी श्री सुब्रत प्रधान, विभिन्न खेलों के पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। कलेक्टर ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं खेल संस्थानों में

खेलकूद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। इसलिए खेल दिवस को उत्साहपूर्वक मनाते हुए अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ा जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों, खेल पदाधिकारियों को जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

29 अगस्त को होगा सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ- एसडीएम एवं जिला खेल अधिकारी श्री सुब्रत प्रधान ने बताया कि जिले में 29 अगस्त को प्रातः 07 बजे मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान से कचहरी चौक होते हुए डाईट हॉल जांजगीर तक फिट्नेस रैली, डाईट हॉल में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि, फिट इंडिया की शपथ कार्यक्रम, राष्ट्रीय खिलाडियों एवं संघ/संस्था के पदाधिकारियों को सम्मानित एवं सांसद खेल महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। 30 अगस्त को खेलो इंडिया सेंटर में हॉकी, डाईट में रस्साकसी, सीटी क्लब में वालीबाल, सेजेस हॉल जांजगीर में खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद व फिट्नेस टॉक, हाई स्कूल मैदान जांजगीर में फुटबाल व कराते का आयोजन किया जाएगा। 31 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे शासकीय हाई स्कूल मैदान से कचहरी चौक, नेताजी चौक लिंक रोड होते हुए वापस शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक सायकल रैली एवं हसदेव पब्लिक स्कूल (लछनपुर) चांपा में अंडर 19 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत ICCK के साथ होगा ज्ञान व निवेश सहयोग

सियोल में मुख्यमंत्री और ATCA प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण भेंट, छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर हुई चर्चा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर एसोसिएशन (ATCA) के चेयरमैन श्री ली जे जेंग एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। ATCA एक सशक्त औद्योगिक नेटवर्क है, जिसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने ATCA प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्री ली जे जेंग और उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे अपने आगामी भारत दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ अवश्य आएँ और राज्य में उपलब्ध निवेश व सहयोग की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें।

ATCA ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं, जो विश्वस्तरीय प्रतिभा उपलब्ध कराते हैं। राज्य का 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर और सशक्त लॉजिस्टिक्स नेटवर्क छत्तीसगढ़ को ATCA के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और भारत में उनके विस्तार का स्वाभाविक हब बनाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहाँ उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन तथा मज़बूत बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे उभरते क्षेत्रों में ATCA कंपनियाँ यहाँ आकर निवेश करें और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करें। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोज़गार मिलेगा और स्थानीय उद्योगों को भी नई ताक़त मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया,

जिसका आयोजन इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन कोरिया (ICCK) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण कोरिया भारत के शीर्ष तीन इस्पात निर्यात गंतव्यों में शामिल है और छत्तीसगढ़, देश का अग्रणी इस्पात उत्पादक राज्य होने के नाते, इस सहयोग को और गहरा करने तथा निवेश के नए अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से समृद्ध है, जो ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में लिथियम उपलब्ध है, जो ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) क्रांति और नई पीढ़ी के उद्योगों को गति देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वैश्विक ऊर्जा संक्रमण का स्वाभाविक केंद्र बन सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ICCK को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करने की घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के तहत तकनीक, स्किलिंग और वैश्विक सहयोग को एक नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कोरिया की नवाचार क्षमता और छत्तीसगढ़ के संसाधनों के मिलन से विकास का एक नया युग लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रत्येक निवेशक को सिंगल विंडो क्लियरेंस से लेकर भूमि आवंटन, आवश्यक अनुमतियों और सहयोगी नीतियों तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण कोरिया कंपनियों की भागीदारी से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य में नए अवसरों का सृजन होगा और दक्षिण कोरिया-भारत औद्योगिक सहयोग को एक नई ऊँचाई मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय जेल रायपुर में आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया गणेश उत्सव

रायपुर। केन्द्रीय जेल रायपुर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। बंदियों ने पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का निर्माण कर उसकी स्थापना की। प्रतिमा का निर्माण हे छह बंदियों द्वारा किया गया, जिसमें सजावट और उत्सव की संपूर्ण तैयारियों में भी कैदियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रतिमा स्थापना के बाद विधिवत पूजा-अर्चना, आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बंदियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्री गणेश की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम में जेल अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। जेल अधीक्षक श्री योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बंदियों में आत्मविश्वास जगाते हैं और उन्हें सकारात्मक सोच तथा आध्यात्मिक जागरूकता प्रदान करते हैं। ऐसे अवसर जीवन में नई दिशा देने और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत करने में सहायक होते हैं। गणेश उत्सव के दौरान बंदियों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मिट्टी की प्रतिमा का विसर्जन जेल परिसर में बने कुंड में ही किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को किसी भी प्रकार की हानि न पहुंचे।

तेलीबांधा चौक में बड़ा हादसा, ट्रेलर में घुसी बाइक

रायपुर। राजधानी में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में आज शाम तेलीबांधा चौक में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर तेलीबांधा चौक से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सामने चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने का प्रयास किया। अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार में वह ट्रेलर के पिछले हिस्से (ट्राली) के बीच जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर मौजूद लोग दहशत में आ गए। घटना को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि तीनों युवकों की जान पर भारी संकट आ गया है। गनीमत रही कि बाइक सवार सभी युवक सुरक्षित बच निकले। उन्हें मामूली खरोंच तक नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा पूरी तरह से युवकों की लापरवाही और तेज रफ्तार का नतीजा था। ट्रेलर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, लेकिन ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक सीधे पिछले हिस्से में जा टकराई।दुर्घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने तुरंत युवकों को बाइक से बाहर निकाला और उनकी हालत देखी। सौभाग्य से किसी को गंभीर चोट नहीं लगी। हालांकि हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि यदि ट्रेलर थोड़ी भी तेज रफ्तार से चल रहा होता तो तीनों युवकों की जान पर बन सकती थी। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद फिर से सवाल उठाए हैं कि आखिर क्यों सड़क पर आए दिन इस तरह की लापरवाही होती है। कई लोगों ने पुलिस से मांग की है कि चौक-चौराहों पर यातायात नियमों के पालन के लिए कड़ी व्यवस्था की जाए और तेज रफ्तार व स्टंटबाजी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल तेलीबांधा चौक पर हुई इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सड़क पर जरा सी असावधानी जीवन को खतरे में डाल सकती है। युवकों की सुरक्षित बचत को लोग ईश्वर का चमत्कार मान रहे हैं। यह घटना सभी वाहन चालकों के लिए सबक है कि सड़क पर कभी भी जल्दबाजी और लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव आज केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की राज्यवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के सीईओ शशांक पाण्डेय के साथ बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में शहरी स्वच्छता के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में लक्षित स्वच्छता इकाईयों (Cleanliness Target Units) के चिन्हांकन एवं निराकरण को वर्षभर की गतिविधि के रूप में लागू करने तथा इस साल (2025) के 'स्वच्छता ही सेवा' (SHS) अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छ शहर जोड़ी (SHJ) के संचालनात्मक दिशा-निर्देशों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में स्वच्छता के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में नगरीय विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने राज्य सरकार ने व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। साव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था और स्वच्छता सेवाओं के डिजिटलीकरण जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने राज्य के प्रमुख शहरी निकायों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और जनसहभागिता आधारित कार्यक्रमों की भी जानकारी साझा की।

विश्वकर्मा समाज ने धूमधाम से मनाया हरितालिका तीज

सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मंगलवार को विश्वकर्मा समाज द्वारा हरितालिका तीज का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। कार्यक्रम दुलार धर्मशाला, बढ़ईपारा रायपुर में भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर तात्यापारा वार्ड की पार्षद एवं जोन-7 की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि समाज की सुहागिन महिलाओं ने भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा कर पति की लंबी उम्र और वैवाहिक जीवन की सुख-समृद्धि की कामना की।

सभी महिलाएं सोलह श्रृंगार से सजी-धजी नजर आईं। पूजा-अर्चना के दौरान श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, मेहंदी और काजल माता पार्वती को अर्पित की गई। पंडित श्रीराम बाबा त्रिपाठी ने शुभ मुहूर्त में पूजन करवाया और हरितालिका तीज की कथा सुनाई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव से अपने पति की दीर्घायु, परिवार की उन्नति और यश की प्रार्थना की। परंपरा अनुसार, भगवान शिव-माता पार्वती को श्रृंगार सामग्री अर्पित की गई और प्रसाद के रूप में मौसमी फल तथा पारंपरिक व्यंजन जैसे गुजिया, पुआ और ठेकुआ का भोग लगाया गया।

इस मौके पर श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा के साथ समाज की कई महिलाएं उपस्थित थीं, जिनमें श्रीमती पूनम विश्वकर्मा, नंदा विश्वकर्मा, नीलू विश्वकर्मा, शकुंतला विश्वकर्मा, पूजा विश्वकर्मा, नीतू विश्वकर्मा, पिंकी विश्वकर्मा, विद्या शर्मा, गीता विश्वकर्मा, सीमा विश्वकर्मा, अनीता विश्वकर्मा, लक्ष्मी विश्वकर्मा, मालती विश्वकर्मा, संगीता विश्वकर्मा, सुमित्रा विश्वकर्मा, अर्चना विश्वकर्मा, ऋतु विश्वकर्मा, अलका विश्वकर्मा, प्रीति विश्वकर्मा, विद्या विश्वकर्मा, वर्षा विश्वकर्मा, चंदा विश्वकर्मा, नेहा विश्वकर्मा, मीरा विश्वकर्मा, राधा विश्वकर्मा और अनीशा विश्वकर्मा शामिल थीं।

कार्यकर्ताओं की यश-कीर्ति बढ़ाने का प्रयास करूंगा : अशोक बजाज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने कहा कि अमेरिका के असहयोग के बावजूद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की कृषि अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। उक्त उद्गार कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत गृहनगर अभनपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बजाज ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पार्टी है। कार्यकर्ताओं की बदौलत ही पंचायत से पार्लियामेंट तक आज भाजपा का बहुमत है। बजाज ने कहा कि भाजपा का एक एक कार्यकर्ता हमारे लिये महत्वपूर्ण है तथा हमेशा की तरह उनकी यश-कीर्ति बढ़ाने का सदैव प्रयास करूंगा । इस अवसर पर उन्होंने 31 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम तथा 14 सितम्बर हिन्दी दिवस पर भी प्रकाश डाला । आगे उन्होंने कार्यकताओं को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की जानकी दी । इस अवसर पर भाजपा रायपुर जिला ग्रामीण के प्रभारी अशोक पांडेय के अलावा क्षेत्र व नगर के कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे।

नकली एंकर उत्पाद बेचने वाले दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज

12 हजार का माल जब्त

रायपुर। तेलीबांधा स्थित सुंदरानी इलेक्ट्रिकल पर एंकर कंपनी के नकली विद्युत उपकरण बेचने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक ओमप्रकाश सुंदरानी (पिता वरियल दास सुंदरानी, उम्र 42 वर्ष, निवासी आनंद नगर तेलीबांधा) के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 25 अगस्त को पेनासोनिक लाइफसोल्यूशन इंडिया प्रा. लि. के मैनेजर व टीम लीडर ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि सुंदरानी इलेक्ट्रिकल में एंकर कंपनी के नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं। शिकायत पर पुलिस टीम और कंपनी प्रतिनिधियों ने दुकान में छापा मारा।

छापेमारी के दौरान दुकान से 41 नग थ्री पिन सॉकेट, 30 नग रेग्युलेटर (फैन), 25 नग थ्री पिन टॉप बरामद किए गए। कंपनी टीम की जांच में सभी उत्पाद नकली पाए गए। जब दुकानदार से खरीद-बिक्री से संबंधित रसीद और दस्तावेज मांगे गए, तो वह प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने समक्ष गवाह पंचनामा तैयार कर लगभग 12,000 रुपए मूल्य का नकली सामान जप्त किया। आरोपी दुकानदार ओमप्रकाश सुंदरानी के खिलाफ धारा 63 कॉपीराइट एक्ट एवं धारा 349 बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 544/25 पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध शिकारियों पर शिकंजा, एक आरोपी गिरफ्तार, 12 फरार

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा अवैध शिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। सिमगा परिक्षेत्र अंतर्गत कचलोन बीट में प्राप्त सूचना के आधार पर की गई कार्यवाही में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 12 आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। वनमण्डलाधिकारी श्री गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में उपवनमण्डलाधिकारी श्री निश्चल शुक्ला एवं परिक्षेत्र अधिकारी श्री बसंत खांडेकर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी से जंगली सुवर का मांस, कत्तल, हंसिया, जंगली सुवर की अंतड़ी, जी.आई. तार, विद्युत तार एवं खूंटियां बरामद की गईं। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि सभी आरोपी संगठित रूप से अवैध शिकार की गतिविधियों में संलिप्त थे। गिरफ्तार आरोपी परमानंद निषाद (आयु 40 वर्ष, निवासी कचलोन) के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं संशोधन अधिनियम 2022 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अपराध क्रमांक 1966/13 दिनांक 25 अगस्त 2025 कायम किया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है। वनमण्डलाधिकारी श्री गणवीर धम्मशील ने कहा है कि वन्यप्राणी हमारे पर्यावरण एवं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अवैध शिकार जैसे वन्य अपराधों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें एवं वन्यजीव संरक्षण के कार्य में सहयोग प्रदान करें। इस कार्रवाई में प्रशिक्षु वनपरिक्षेत्र अधिकारी श्री अनिरुद्ध कश्यप, उपवनक्षेत्रपाल श्रीमती सरिता एक्का, वनरक्षक रजनीश वर्मा, मनबोधन टंडन, वनपाल संतराम कुंद्रे, वनरक्षक राकेश ध्रुव, गोविंद सिंह पटले, वन चौकीदार इमेश्वर शर्मा सहित विभागीय अमले एवं सुरक्षा कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपादकीय

अब हल्की राहत नाकाफी

बारह फीसदी वाली चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई हैँ। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के 103 मिनट के भाषण में व्यावहारिक महत्त्व की घोषणा यह थी कि अगली दिवाली से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का नया रूप सामने आएगा। उसके बाद सरकारी अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि अब इस कर व्यवस्था में चार के बजाय दो दरें ही होंगी। संभवत: 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को खत्म कर दिया जाएगा। उन श्रेणियों में आने वाली वस्तुओं को पांच और 18 फीसदी की दरों में समाहित किया जाएगा। वैसे आदर्श स्थिति तो यह होगी कि, जैसा जीएसटी लागू होने से पहले अनुमान लगाया जाता था, सिर्फ एक दर हो। बहरहाल, दो दरों का होना भी मौजूदा स्थिति की तुलना मे सुधार माना जाएगा। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में कितनी मदद मिलेगी, वह इससे तय होगा कि सरकार करों को न्यूनतम रखने का नजरिया अपनाती है या अधिकतम। अगर 12 फीसदी वाली कुछ चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। जबकि 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई हैँ। इन्हें पांच प्रतिशत पर लाया जाता है, तो बेशक लोगों की जेब में पैसा बचेगा। हालांकि यह भी उतना नहीं होगा, जिससे अर्थव्यवस्था को गतिशील बना देने लायक मांग बढ़े। इसका कारण हाल के वर्षों में आम परिवारों की घटी बचत और उन पर बढ़ा कर्ज का बोझ है। फिर तमाम सेवाओं की महंगाई का अलग से दबाव है। दरअसल, सरकार ने पिछले दशक में आम जन की जेब इतनी निचोड़ ली है, अब हल्की राहत नाकाफी है। हां, इसके साथ ही सरकार पेट्रोलियम जैसी चीजों को भी उत्पाद शुल्क से मुक्त करे और दीर्घकालीन कल्याणकारी योजनाओं में निवेश बढ़ाए, तो बात बन सकती है। मगर उसका कोई संकेत नहीं है। फिर व्यापारियों की टैक्स रिटर्न की झंझटों से कोई मुक्ति नहीं मिलने जा रही है। अत: नरेंद्र मोदी की इस घोषणा की जितनी मोटी सुर्खियां बनी हैं, उनके नीचे की विषयवस्तु उनकी तुलना में काफी कमजोर है।

विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित

मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने के लिए लाए गए विधेयकों पर विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित है। विपक्ष के सारे नेताओं की एक ही चिंता है कि केंद्रीय एजेंसियां खास कर सीबीआई और ईडी विपक्षी पार्टी की सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां मुकदमा करेंगी और मंत्री या मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेंगी। धन शोधन के कानून में जमानत के प्रावधान बहुत सख्त हैं इसलिए उनको 30 दिन तक जमानत नहीं मिलेगी और इस नाम पर उनको हटा दिया जाएगा। आशंका यही पर खत्म नहीं होती है। यह भी कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तारी का डर दिखा कर उसको किसी काम के लिए मजबूर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फिर उसकी पार्टी तोड़ कर सरकार गिरा दी जाएगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने बिल बनाते समय इसके जितने मकसद नहीं सोचे होंगे उतने मकसद विपक्ष ने समझा दिए हैं। अभी तक मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री को पद से हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था। विधायक और सांसद को हटाने का प्रावधान भी लिली थॉमस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश के बना। इसमें तय किया गया कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा हो जाती है तो वह विधायिका का सदस्य नहीं रह पाएगा और सजा की तारीख से उसके चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। आमतौर पर निचली अदालत से सजा होते ही विधायकों, सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी जाती है, जैसा कि राहुल गांधी के मामले में हुआ था। बाद में अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा दे तो सदस्यता बहाल हो जाती है। बहरहाल, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद होने के अयोग्य हो जाएगा तो वह स्वत: मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के भी अयोग्य हो जाएगा। इस नियम से इतर अब सरकार संविधान संशोधन करके कानून बना रही है कि अगर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को किसी गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिन तक जमानत नहीं होती है तो 31वें दिन उसको पद से हटा दिया जाएगा। अब सवाल है कि इसकी जरुरत क्यों पड़ी? इसकी जरुरत पड़ी अरविंद केजरीवाल की वजह से। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े केस में गिरफ्तार हुए और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। वे 156 दिन तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहे और मुख्यमंत्री बने रहे। उससे पहले उन्होंने हवाला मामले में गिरफ्तार अपनी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को भी काफी समय तक मंत्री पद से नहीं हटाया था। ऐसे ही तमिलनाडु में एमके स्टालिन सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी गिरफ्तार होकर जेल चले गए लेकिन मंत्री बने रहे। इससे पहले आमतौर पर मंत्री या मुख्यमंत्री गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे देते थे। पिछले ही साल जनवरी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने गिरफ्तारी से ठीक पहले इस्तीफा देकर चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवा दिया। लेकिन उसके दो महीने बाद मार्च में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। सो, अब तक जो काम नैतिकता और लोकलाज के आधार पर होते थे वह काम सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून ला रही है। अब आएं विपक्ष की चिंता और आशंका पर तो उसकी एक आशंका का जवाब हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले से मिल जाता है। हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया और जेल गए तो अगले चुनाव में उनकी पार्टी ज्यादा बड़े बहुमत से सरकार में लौटी। दूसरी ओर केजरीवाल जेल गए और इस्तीफा नहीं दिया तो अगले चुनाव में वे खुद भी हारे और उनकी पार्टी भी हार कर सत्ता से बाहर हुई। दोनों की पार्टियों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई कहा था लेकिन झारखंड की जनता ने हेमंत की बात पर यकीन किया और दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल पर यकीन नहीं किया। यह मामला कहीं न कहीं नैतिकता, परंपरा और लोकलाज से जुड़ा हुआ है। अतीत में भी देखें तो नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देते थे और उनको राजनीतिक नुकसान नहीं होता था। लालू प्रसाद ने गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। लालू प्रसाद के जेल जाने से न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी, बल्कि अगले चुनाव में फिर उनकी पार्टी जीत कर सत्ता में आई।

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अत: यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं। इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति। इन चुनौतियों का समाधान केवल बाहरी सुधारों से नहीं, बल्कि भीतर से परिवर्तन लाने से होगा। यही संघ की कार्यप्रणाली है और यही भागवत का संदेश है। नये क्षितिज की ओर व्याख्यानमाला एक निष्कर्ष की ओर ही नहीं, बल्कि एक प्रश्न की ओर भी ले जाती है, क्या हम भारत को केवल भौतिक अर्थों में शक्तिशाली बनाना चाहते हैं या उसे वास्तव में विश्वगुरु बनाना चाहते हैं? यदि उत्तर दूसरा है, तो हमें भागवत के सन्देश को क्रियान्विति का धरातल देना ही होगा। दुनिया के लिये अपनेपन का नजरिया विकसित करना होगा, सौदे का नहीं।

सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे ह्वो गए

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार के मंत्रियों की क्या हैसियत हो गई है? राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत के नेता नरेंद्र मोदी के लिए माला पकड़ कर खड़े होते हैं। उस माला में घुसने की इजाजत उनको नहीं होती है। यह धारणा बनी है कि ले देकर एक अमित शाह हैं, जिनकी कोई हैसियत है लेकिन संसद के मानसून सत्र में यह भी दिखा कि पक्ष और विपक्ष में उनकी हैसियत पर ही चिंदियां गिरती दिखी। वे गिरफ्तारी और 30 दिन की हिरासत पर मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने वाला विधेयक पेश कर रहे थे तो उसे उन्होने अगली पंक्ति में अपनी निर्धारित सीट से पेश नहीं किया, बल्कि चौथी पंक्ति में अपने सांसदों के बीच खड़े होकर पेश किया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि डर के मारे अमित शाह ने चौथी लाइन में खड़े होकर बिल पेश किया। जिस समय वे बिल पेश कर रहे थे उस समय विपक्ष की ओर से बिल की प्रति फाड़ी गई और कागज के गोले बना कर उनकी ओर उछाले गए। अब वे क्या करेंगे? क्या सभी सांसदों के ऊपर सीबीआई, ईडी छोड़ देंगे? पिछले दिनों दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव की बड़ी चर्चा रही। भाजपा के पूर्व सांसद संजीव बालियान ने अपनी ही पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी को चुनौती दे दी। क्लब से सेक्रेटरी एडमिन के लिए हुए चुनाव में कहा गया कि बालियान को अमित शाह ने उम्मीदवार बनाया है। पुरानी भाजपा के चेहरे रूड़ी को हराने के लिए बालियान को लाया गया है।

संसद सत्र के बीच खुद अमित शाह वोट डालने पहुंचे। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे। लेकिन रूड़ी ने बालियान को बड़े अंतर से हरा दिया। सात सौ वोट वाले चुनाव में रूड़ी एक सौ वोट से जीते। इसके बाद चर्चा रही कि रूड़ी ने शाह को हराया। इसी तरह गुजरात में सहकारिता के हालिया चुनावों में भी अमित शाह के उम्मीदवारों के हारने की चर्चा है। संघ के लोगों ने अमित शाह के उम्मीदवारों को निपटवा दिया। वह भी गुजरात में। क्या अर्थ है। उनकी छोटे, मामूली चुनाव में भी धमक नहीं रही। न गुजरात में वे अपना प्रदेश अध्यक्ष बनवा पा रहे है और न उत्तरप्रदेश में? योगी ने उन्हे यूपी में ऐंवे ही बना डाला है!

पिछले दिनों एनडीए के सांसदों की बैठक हुई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। उस समय मोदी ने सबको याद दिलाया कि अमित शाह सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं तो उनका भी सम्मान होना चाहिए। उनका जबरदस्ती सम्मान हुआ। मगर बाकि जो समय से मंत्री बने हुए है वे नाराज हो गए और कहते है उन्होंने शिकायत करने में कोताही नहीं बरती। आखिर कई नेता लगातार 11 साल से मंत्री हैं।

नितिन गडकरी एक ही विभाग में 11 साल से मंत्री हैं और पूरे देश में उनके कामकाज की चर्चा होती है। राजनाथ सिंह भी छह साल से ज्यादा समय से रक्षा मंत्री हैं और पांच साल गृह मंत्री रहे हैं। कई और मंत्री हैं जो 2014 से लगातार सरकार में हैं। लेकिन उनके स्वागत के लिए कभी मोदी ने नहीं कहा। लेकिन बुनियादी सवाल तो यह है कि इन मंत्रियों को भी क्या मतलब है? क्या कोई मंत्री अपने कामकाज की तारीफ, शाबाशी की चर्चा पाता होता। सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए है। सारे मंत्रालय एक जगह से चलते हुए हैं। बाकी सब डाकिए का काम करने के लिए मंत्रालय में बैठाए गए हैं।

भारत में आजादी सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा

अजीत द्विवेदी

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं'। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है। मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है'। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है। अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वाला' कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है। पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तो उसने धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि के नाम पर खान पान, पहनावे और स्त्री पुरुष संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है।

वास्तु के अनुसार उत्तरमुखी घर क्यों माना गया है शुभ

वास्तु में उत्तर मुखी घर को शुभ माना गया है। उत्तर दिशा को धन के देवता भगवान कुबेर की दिशा है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर मुखी मकान को शुभ माना गया है। मान्यता है कि यह धन, सुख-समृद्धि व संपन्नता के साथ सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। उत्तर दिशा को धन के देवता भगवान कुबेर की दिशा माना गया है। इसलिए उत्तर दिशा को धन व संपन्नता से जुड़ा माना गया है। जानें वास्तु एक्सपर्ट से उत्तर मुखी घर क्यों शुभ होते हैं और उत्तर मुखी घर की शुभता के लिए क्या उपाय करने चाहिए।

कुबेरजी की दिशा
वास्तु के अनुसार, जब घर से बाहर निकलते हुए हमारा मुख उत्तर दिशा की ओर होता है तो वह मकान उत्तर दिशा का होता है। यह कुबेरजी की दिशा मानी जाती है और धन को आकर्षित करती है। बैंकिंग तथा वित्त से जुड़े कार्य करने वालों के लिए यह घर अच्छे होते हैं।

शुभ परिणाम के लिए करें ये काम :- वास्तु के अनुसार, अगर उत्तर दिशा को साफ-सुथरा रखते हैं, वहां हरे पौधे रखते हैं तो जीवन में बहुत नए अवसर मिलते हैं। उत्तर दिशा से और ज्यादा शुभ परिणाम प्राप्त करने के लिए वहां पर एक पीतल की गदा लगाएं।

सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार
वास्तु के अनुसार, उत्तर मुखी घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित होती रहती है, जिससे घर का वातावरण सकारात्मक व सुखद रहता है। उत्तर मुखी मकान में रहने वाले लोगों को मानसिक शांति के साथ शारीरिक स्वास्थ्य में भी लाभ मिलता है।

सूर्य की रोशनी
वास्तु के अनुसार, उत्तर मुखी मकान में पूरे दिन सूर्य की भरपूर रोशनी रहती है, जो कि घर के जरूरी है। कहा जाता है कि घर में सूर्य की रोशनी का प्रवेश शुभ माना गया है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है। इससे जीवन में आर्थिक उन्नति व करियर में सफलता मिलती है।

मिलती है आर्थिक संपन्नता :- माना जाता है कि उत्तर दिशा वाला घर भी समृद्धि और संपन्नता को आकर्षित करता है। उत्तर दिशा से बहने वाली सकारात्मक ऊर्जा आर्थिक उन्नति को बढ़ाती है और जीवन के कई पहलुओं में सफलता के अवसर लाती है।

बारिश के मौसम में स्किन को मॉइस्चराइज करने में न करें ये गलतियां

बारिश के मौसम में स्किन की ज्यादा केयर करनी पड़ती है, क्योंकि इस मौसम में त्वचा से जुड़ी परेशानियां बढ़ जाती हैं। वहीं मौसम के बदलने का असर आपकी स्किन पर पड़ता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही आपकी स्किन को खराब कर देती है। इस मौसम में उमस की वजह से पिंपल्स, एक्ने, डार्कनेस की समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में स्किन को सही तरह से मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है। तो आइए जानते हैं कि स्किन को मॉइस्चराइज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

लाइट वेट मॉइस्चराइजर का करें इस्तेमाल
बारिश के मौसम में अगर आप नहीं चाहते कि आपकी स्किन में कोई प्रॉब्लम हो तो सही तरह का मॉइस्चराइजर यूज करें। मॉइस्चराइजर ऐसा होना चाहिए जो आपकी स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करने में हेल्प करें और आपकी स्किन को मॉइस्चराइज रखें। क्योंकि ह्यूमिडिटी की वजह से स्किन ज्यादा ऑयली हो जाती है।

वॉटर बेस्ड मॉइस्चराइजर का करें यूज
बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी की वजह से स्किन में चिपचिपाहट महसूस होने लगती हैं ऐसे में आप हमेशा जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का ही इस्तेमाल करें जिससे आपकी स्किन हाइड्रेटेड रहे और पोर्स क्लॉग न हों।

गलत मॉइस्चराइजर का चुनाव करना
हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से ही मॉइस्चराइजर का यूज करें। अगर आप अपने स्किन टाइप का ध्यान रखते हुए मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो ऐसे में आपको स्किन प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसलिए हमेशा अपनी स्किन टाइप और केयर को ध्यान में रखते हुए मॉइस्चराइजर चुनें।

स्किन को मॉइस्चराइज करने से पहले करें चेहरा साफ
आप कभी भी स्किन को मॉइस्चराइज करें तो इस बात का ध्यान रखें कि चेहरा साफ है या नहीं। पहले किसी माइल्ड फेस वॉश या साबुन से चेहरे को धो लें। फिर स्किन पर मॉइस्चराइजर लगाएं। अगर आप चेहरे को बिना साफ किए मॉइस्चराइज करते हैं तो आपको स्किन प्रॉब्लम्स जैसे पिंपल्स और एक्ने हो सकते हैं।

मानसून में स्किन पर खुजली या जलन क्यों बढ़ जाती है?

बारिश के मौसम में हवा में नमी और भी ज्यादा बढ़ जाती है।ऐसे में ह्यूमिडिटी भी रहती है जिसकी वजह से चिपचिपाहट का होना लाजमी है। उमस में नॉर्मल से अधिक पसीना आता है जो स्किन प्रॉब्लम्स को बढ़ाता है जिसके कारण खुजली, फंगल इंफेक्शन, जलन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बरसात में त्वचा पर खुजली होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनको समय से पहचानकर आप इससे निजात पा सकते हैं। त्वचा पर खुजली की समस्या के कारण कुछ लोगों को त्वचा पर रैशेज और सूजन की दिक्कत भी हो जाती है। बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी के कारण चिपचिपाहट रहती है जिस वजह से ज्यादातर लोग पानी कम पीते हैं। इस मौसम में हम जो भी सब्जियां या फल बाजार से खरीदकर लाते हैं उनमें बैक्टीरिया और कीटाणु होते हैं जो हमारी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी नुकसानदायक होते हैं। अगर हम साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखते हैं तो इस वजह से भी स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ जाती हैं।

न करें ये गलतियां

नमी और पसीने है कारण
बारिश के मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है। जिस वजह से पसीना भी ज्यादा आता है जिसके कारण चिपचिपाहट होने लगती है। दरअसल, नमी और पसीने के कारण खुजली की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि पसीने और गंदगी की वजह से बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं जो स्किन प्रॉब्लम्स को बढ़ावा देते हैं।

साफ-सफाई न होना
बरसात के मौसम में अगर आप अपने आसपास साफ-सफाई नहीं रखते हैं तो इस वजह से आपको चेहरे पर जलन और खुजली की समस्या हो सकती है। इसलिए बारिश के मौसम में साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

सूती कपड़े न पहनना
गर्मियों और बारिश के मौसम में आपको सूती कपड़े ही पहनने चाहिए ये कंफरटेबल होने के साथ-साथ आपकी स्किन को भी इरिटेट नहीं होने देते हैं। क्योंकि ये सॉफ्ट फैब्रिक का कपड़ा आपकी त्वचा को खुजली और जलन की समस्या से बचाता है।

रोजाना न नहाना
कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बारिश के मौसम में भी नहीं नहाते है। पर आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। बारिश के मौसम में तो शरीर को और ज्यादा साफ रखने की जरूरत होती है। इसलिए इस मौसम में आपको जरूर नहाना चाहिए। अगर आप चाहें तो नीम के पानी से भी नहा सकते हैं जिससे फंगल इंफेक्शन और बैक्टिरिया का खतरा कम हो जाता है।

पौधे रखने के लिए बेस्ट है ये कोना

जान लें वास्तु टिप्स

घर को सजाने के लिए हम कई कोशिशें करते हैं। अच्छी पेंटिंग्स, बेहतरीन डिजाइन, डिजाइनर शोपीस से हम घर को खूब सजाते हैं। वहीं घर के कोनों में जान फूंकने के लिए अगर पौधे लगा लिए जाए तो बात ही अलग हो जाती है। इनडोर और आउटडोर रखे जाने वाले पौधे आपने भी अपने घर में खूब लगाए होंगे, लेकिन क्या ऐसा करने से पहले आपने कभी वास्तु के बारे में सोचा? वास्तु को ध्यान में रखकर प्लेस किए गए पौधे एक अलग तरह की एनर्जी बूस्ट करते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आखिर पौधों को किस तरह से और कहां रखना चाहिए और उन्हें सही जगह रखने के बाद भी हमें किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए?

पौधों को रखने की सही दिशा
बड़े पौधों जैसे बैम्बू या फिर स्नेक प्लांट को आप हमेशा घर की पूर्व दिशा में ही रखें। वहीं मनी प्लान्ट्स को आप घर की उत्तर दिशा में रखें। दोनों ही दिशाओं को काफी पॉजिटिव माना जाता है। ऐसे में आप सही दिशा में पौधों को रखकर ना सिर्फ घर की शोभा बढ़ा पाएंगे बल्कि इससे आपको खूब अच्छी एनर्जी भी मिलेगी और घर के सभी निगेटिव वाइब्स भी छूमंतर हो जाएंगे।

इस पौधे को हमेशा रखें घर से बाहर
लोग अक्सर घरों में कांटेदार पौधे जैसे कैक्टस भी लगाते हैं। इसे घर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। वास्तु के हिसाब से इसे घर के अंदर रखने से नेगेटिव एनर्जी आ सकती है। ऐसे में इस पौधे को घर के बाहर बालकनी या बगीचे में लगाना चाहिए।

जानें कौन सा पौधा है सुपरहीरो
तुलसी का पौधा जिस भी घर में हो, वहां पॉजिटिव एनर्जी आनी ही आनी है। इसे घर के दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। तुलसी को आप अपने घर के उत्तर, पूर्व या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं।

दिखावटी पौधों की नो-एंट्री
आजकल बाजार में मिलने वाले आर्टिफिशयल पौधे आपके घर की सुंदरता तो बढ़ा देंगे लेकिन इसे ना ही लगाएं तो बेहतर है। इनके मेंटेनेंस में कोई खर्चा तो नहीं आता है,लेकिन ये खराब वाइब्स जरूर दे सकते हैं।

नियमित रूप से देते रहे पानी
पौधों को लगातर इनकी देखभाल भी ठीक से करिए। समय-समय पर इनमें पानी-खाद डालते रहिए। साथ ही जरूरत पड़ने पर इनकी कांट-छांट भी करते रहिए।

घर में लगाएंगें ये पौधे तो मिलेगी शांति
वैसे तो बाजार में कई तरह के ऐसे पौधे मिल जाएंगे जो फूल देते हैं लेकिन लीली या फिर जैस्मिन की बात ही अलग होती है। ये पौधे आसानी से आपका मूड बूस्ट कर सकते हैं।

बुखार के बाद कमजोरी क्यों होती है?

जानिए तेजी से ठीक होने के तरीके

बुखार से उबरने के बाद आप कमजोरी क्यों महसूस करते हैं। इसके पीछे कई कारण हैं। बीमारी तो मुख्य कारण है ही, उसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनके कारण कारण आप बुखार होने के बाद कमजोरी महसूस करते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि इसके पीछे कई कारण होते हैं। उन कारणों में एक डिहाइड्रेशन भी होता है। जिसके कारण बुखार के दौरान और कई बार बाद में भी कमजोरी महसूस होती है। कई बार यह कमजोरी बहुत ज्यादा हो जाती है, जिसके कारण चक्कर भी आने लगते हैं।

फिजिशियन बताते हैं कि बुखार होने पर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमण से लड़कर उसे दूर करने के प्रयास शुरु कर देती है। जिसके कारण ऊर्जा खर्च होती है और शरीर में डिहाइड्रेशन भी होती है। इसके कारण बुखार होने पर आपको कमजोरी महसूस होती है। कई बार यह कमजोरी इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि मरीज को बिस्तर से उठने में भी परेशानी होती है और चक्कर आने लगते हैं। मरीज को शरीर का बैलेंस बनाए रखने में भी परेशानी होती है। बुखार होने पर आपको कुछ सावधान बरतनी चाहिए। बुखार होने पर स्वाभाविक रूप से शरीर में पानी की कमी होती है। इसे दूर करने के लिए आपको पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लेने चाहिए।

इसके साथ ही बुखार में संक्रमण से लड़ने के लिए शरीर को ऊर्जा की जरूरत होती है। कई बार बुखार होने मरीज की भूख खत्म हो जाती है, जिसके कारण वह कुछ खाता नहीं है। जरूरत है कि बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से पौष्टिक आहार लिया जाए। जिससे शरीर में ऊर्जा बनी रहे। इससे आपको बुखार से जल्दी उबरने में भी सहायता मिलेगी।

प्याज हेल्थ के लिए कई तरह से फायदेमंद

प्याज का इस्तेमाल केवल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए नहीं किया जाता। बल्कि ये सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमे कई तरह से प्लांट कंपाउंड्स, मिनरल्स और विटामिन्स होते हैं। जिसकी वजह से इसे डाइट में शामिल करना हेल्दी ऑप्शन है। एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स से भरपूर होने के साथ ही प्याज में एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज काफी ज्यादा मात्रा में होते हैं। जिसकी वजह से ये शरीर में पनपने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है। अगर आप स्किन से लेकर बालों में डैंड्रफ जैसे कई सारे इंफेक्शन से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे हैं तो प्याज को इन तरीकों से कंज्यूम करें। जानें प्याज से दूर होने वाली बैक्टीरियल समस्याएं।

प्याज में एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज की मात्रा
प्याज में क्वेरेसेटिन होता है जो शरीर में पनप रहे बैक्टीरिया की ग्रोथ को कम करता है। जैसे ई कोलाई, बैसीलस, स्यूडोमिनस यूरेजिनोसा। इसके साथ ही प्याज प्रोबायोटिक का भी रिच सोर्स है। जिसकी वजह से ये गट हेल्थ को भी इंप्रूव करने में हेल्प करता है। प्याज के फायदे हेल्थ के साथ ही स्किन के लिए भी रहते हैं। इन समस्याओं से जूझ रहे हैं तो प्याज की ड्रिंक पीने से मिलेगा फायदा।

अगर स्किन में दाद-खाज और खुजली की समस्या बार-बार हो जाती है। या फिर सिर में बहुत ज्यादा मात्रा में डैंड्रफ हो रहा है। तो प्याज इस समस्या को कम करने में मदद कर सकता है।

पेट में इंफेक्शन - काफी सारे लोगों की शिकायत पेट में इंफेक्शन की रहती है अक्सर लोगों को दस्त, डायरिया के साथ उल्टी और पेट में दर्द होने लगते हैं। अगर ये सब दिक्कतें पेट में इंफेक्शन की वजह से होती हैं तो प्याज इस समस्या का समाधान कर सकता है।

यूरिन इंफेक्शन - यहां तक कि अगर यूरिन में इंफेक्शन महिलाओं में बार-बार उभर आता है तो उन्हें भी प्याज की ड्रिंक पीने से फायदा होगा। जानें प्याज की ड्रिंक को कैसे बनाएं कि इन हेल्थ प्रॉब्लम में फायदा हो।

कैसे करें ऑयली स्किन की देखभाल

आप स्किन केयर उत्पाद खरीदते समय सबसे पहले क्या देखती हैं? यही न कि वह उत्पाद किस तरह की त्वचा के लिए बना है। यानी स्किन केयर में इस बात का सबसे पहले ख्याल रखने की जरूरत है कि त्वचा का प्रकार क्या है। उसी के हिसाब से आप सही उत्पाद चुन पाएंगी और आपकी त्वचा की दमक और सेहत दुरुस्त रह पाएगी। त्वचा की समस्या भी हर मौसम और त्वचा के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग होती है। मसलन, गर्मी और मानसून में तैलीय त्वचा वालों को सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान त्वचा में तेल का उत्पादन ज्यादा होता है, जिसके चलते चिपचिपाहट, खुजली, रैशेज और दानों की समस्या आम हो जाती है।

क्या है तैलीय त्वचा की पहचान?
सबसे पहले तो यह पता लगाएं कि आपकी त्वचा तैलीय है या नहीं। इसके लिए सबसे सही समय है सुबह का, जब आप सोकर उठती हैं। सुबह उठकर अपने चेहरे पर एक सूखा टिश्यू पेपर रखें। अगर वह त्वचा से चिपक जाता है या उस पर तेल नजर आता है, तो इसका मतलब है कि आपकी त्वचा तैलीय है। संभव है कि तेल केवल टी जोन यानी ललाट, नाक और ठुड्डी पर ही नजर आए। ऐसी त्वचा कॉम्बिनेशन स्किन की श्रेणी में आती है, पर इसकी देखभाल तैलीय त्वचा की तरह की करनी पड़ती है। नहीं तो, रोमछिद्रों का आकार धीरे-धीरे बड़ा होकर बाकी त्वचा भी वैसी ही बन जाएगी।

इसलिए हो जाती है त्वचा तैलीय
त्वचा में सिबेसियस ग्लैंड मौजूद होती हैं जो त्वचा के लिए तेल बनाने का काम करती हैं। एक हद तक इस तेल की जरूरत त्वचा को होती है, जिससे त्वचा लचीली और चमकदार बनी रहती है। लेकिन अगर किसी भी कारण से त्वचा में मौजूद नमी के स्तर में गिरावट आने लगती है तो त्वचा ज्यादा तेल बनाने लगती है और त्वचा का प्रकार बदल जाता है। तैलीय त्वचा के पीछे कई कारण शामिल हो सकते हैं, जैसे कि जेनेटिक्स, आप कहां रह रही हैं, आपकी उम्र, शरीर में पानी का स्तर, हार्मोन में बदलाव और त्वचा की देखभाल का आपका तरीका आदि।

ऐसे उत्पादों का करें इस्तेमाल
तैलीय त्वचा की देखभाल में टोनर खासे मददगार होते हैं। पर, ध्यान रखें कि उसमें एल्कोहल की मात्रा ज्यादा न हो। इससे त्वचा की नमी और कम होगी और त्वचा और ज्यादा तेल बनाएगी।

क्लींजर भी जेल वाले और हल्के इस्तेमाल करें ताकि त्वचा को रूखेपन का सामना न करना पड़े।

अगर सैलिसिलिक एसिड का इस्तेमाल कर रही हैं तो पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।

विटामिन-सी सीरम मुहांसे की समस्या से निजात दिलाएगा।

अगर त्वचा बहुत जल्दी-जल्दी तैलीय हो रही है, तो अतिरिक्त तेल को हटाने के लिए ब्लोटिंग पेपर का इस्तेमाल करें।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं। पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा - तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।

पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गई हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्त सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।

पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?

ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?

कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?

एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?

मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?

मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।

मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

आप नक्सलवाद से भी जुड़े रहे, तो उसके कारण आपको इंडस्ट्री द्वारा अपनाए जाने में किसी तरह की दिक्कत पेश आई?

नहीं, नहीं उनको तो बाद में पता चला मेरे नक्सली होने का। अब उस बारे में बात नहीं करना चाहता। मगर मेरे रंग को लेकर मुझसे सबसे ज्यादा तकलीफ हुई, फिर मेरा वही रंग बाद में सेक्सी-डस्की बंगाली बाबू हो गया। लेकिन रंग के कारण फिल्म में कास्ट हो जाने के बाद भी निकाल दिया गया। क्या-क्या बोलूं? ये खत्म ही नहीं होगा।

खबर-खास

दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का शुभारंभ, बिहान दीदियों की सफलता गूंजेगी पूरे प्रदेश में

बेमेतरा/समय दर्शन। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनङ्कबिहान के अंतर्गत किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और सफलता की कहानियों को साझा करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का शुभारंभ किया जा रहा है। इस विशेष श्रृंखला का पहला प्रसारण 31 अगस्त 2025 को दोपहर 12:15 बजे आकाशवाणी के सभी केंद्रों से होगा। कार्यक्रम के पहले प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री श्री विजय शर्मा प्रदेशभर की बिहान दीदियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपनी प्रेरणादायी सफलता की कहानियां साझा करेंगी, जो अन्य समूहों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। दीदी के गोठ के माध्यम से बिहान से जुड़ी महिलाओं के कार्यों, उनकी उपलब्धियों तथा आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी प्रदेशभर में पहुंचाई जाएगी। यह पहल न केवल स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक सशक्त बनाने का माध्यम भी बनेगी। जिले में भी यह कार्यक्रम सभी संकुलों में प्रसारित होगा, जहां समूह की महिलाएं एकत्र होकर इस प्रसारण को सुनेंगी और प्रेरणा प्राप्त करेंगी।

किराना दुकान में चोरी करने वाले चोर पकड़ाये

दुर्ग। दुर्ग की थाना उतई पुलिस ने एक किराना दुकान में चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से चोरी का सामान एवं नगद रकम बरामद किया है।

दुर्ग पुलिस व्दारा रात्रि में दुकान का शटर तोड़कर सामान एवं नगद रकम को चोरी करने वाले आरोपियों पर अंकुश लगाकर चोरी/सेंधमारी के खिलाफ मुहिम में ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत थाना उतई पुलिस द्वारा किराना दुकान से सामान एवं नगद रकम को चोरी करने वाले के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किया गया। दिनांक 23/08/2025 को प्रार्थना श्रीमती ममता चंदेल पति मनोज कुमार चंदेल पता डूमरडीह उतई की थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि उनके द्वारा बस स्टैंड दमदी में मनोज किराना स्टोर के नाम पर दुकान का संचालन किया जाता है दिनांक 20,-21/08/2025 के दरमियानी रात में किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा उसके दुकान शटर का ताला तोड़कर दुकान के अंदर रखे सामान एवं नगद रकम को चोरी कर ले गया है रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण में चोरी गए सामान, नगद रकम एवं अज्ञात आरोपी की पता तलाश लगातार उतई पुलिस द्वारा किया जा रहा था, इसी दौरान विश्वस्थ सूत्रों से जानकारी मिली कि बस स्टैंड डुमरडीह किराना दुकान से सामान चोरी करने वाले आरोपी उतई क्षेत्र में संदिग्ध हालात में घूम रहे हैं सूचना पर डुमरडीह उतई रवाना होकर आरोपियों का पता तलाश कर उन्हें हिरासत में लिया गया जिनसे पूछताछ करने पर दिनांक घटना को एक राय होकर अपने मोटरसाइकिल के माध्यम से बस स्टैंड डुमरडीह पहुंच कर मनोज किराना दुकान से सामान एवं नगद रकम को चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपियों के कब्जे से सामान एवं नगद रकम को जप्त कर जपती कार्रवाई का वीडियोग्राफी तैयार किया गया तथा आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में पुलिस ने होरी लाल पारधी उम्र 28 वर्ष, अजय पारधी उम्र 19 वर्ष दोनो निवासी पारधी पारा ग्राम गनियारी थाना पुरानी भिलाई जिला दुर्ग को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ धारा - 331(4), 305, 3(5)बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

एनएचएम कर्मचारियों का हड़ताल 11 वे दिन भी जारी रही

दस सूत्रीय मांगों के साथ निकाली तिरंगा न्याय यात्रा

कवर्धा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार 11 वे दिन गुरुवार को भी हड़ताल पर डटे रहे। आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए आज तिरंगा न्याय यात्रा निकाली गई और सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप भी लगाया।

कर्मचारी संघ ने कहा है कि सरकार 10 में से 5 मांगे पूरी होने का दावा कर रही है, किंतु आज तक कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है, जिससे वादा खिलाफी का नारे लगाए लगाए गए और शहर के मुख्य मार्गों से तिरंगा न्याय यात्रा निकाली गई। इस दौरान सभी संविदा कर्मचारियों ने अपने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर शासन को याद दिलाया और न्याय की मांग की।

तिरंगा न्याय यात्रा का आयोजन को संबोधित करने वालों में प्रदीप सिंह ठाकुर, शशिकांत शर्मा, विनिष जॉय, जेम्स जॉन, गेमेश चौधरी, सौरभ तिवारी, रुपेश साहू, संगीता भगत,डॉक्टर मुकुंद राव, डॉक्टर ममता ठाकुर, जयंत कुमार, आनंद दास, छवि साहू, टीकाराम, भवानी सिंह, हेमराज, भास्कर देवांगन, धीरज महोबिया, आदि लोगों ने संबोधित किया आज की तिरंगा न्याय यात्रा में करीब 350 लोगों ने हिस्सा लिया।

संघ ने आंदोलन को और उग्र करने का निर्णय लिया- संघ ने इस धोखे के विरोध में आंदोलन को और उग्र करने का निर्णय लिया है। शासकीय अस्पतालों में वर्षों से सेवाएं देने वाले इन कर्मचारियों की स्थिति देखकर आज रैली में आम जनता भी उनके प्रति सहानुभूति जता रही है और सरकार से उनकी जायज मांग को तत्काल पूरी करने की अपील भी कर रही है। कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक 10 सूत्री मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं होता आंदोलन अनवरत जारी रहेगा ज्ञात होवे की शासकीय अस्पतालों में ताले लगे हुए हैं जिसके कारण दूरस्थ वनांचल क्षेत्र से लेकर शहरी इलाकों तक मरीज इलाज के लिए भटक रहे हैं अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है जबकि जीवनदीप समिति के कर्मचारियों पर ड्यूटी का दबाव डाला जा रहा है जो बिना उचित प्रशिक्षण के केवल सहयोगी भूमिका निभाते हैं।

एनएचएम संघ के 20 माह में 160 बार आवेदन निवेदन पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया- एनएचएम संघ के मीडिया प्रभारी विनिष जॉय ने बताया कि कई अस्पतालों में बाहर सूचना बोर्ड लगाकर मरीज को असुविधाओं के लिए खेद भी व्यक्त किया गया है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि 20 माह के कार्यकाल में 160 बार से अधिक बार आवेदन और निवेदन देने के बावजूद सरकार ने नियमितीकरण ग्रेड पे और लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि जैसे फाइलों को रोक कर रखा है और कर्मचारियों को लगातार गुमराह किया जा रहा है, जिससे कि कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और अब आंदोलन को और उग्र और तेज करने का निर्णय लिया गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 31 अगस्त तक

दुर्ग/ जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 20 से 31 अगस्त 2025 तक खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। 29 अगस्त 2025 को प्रातः 7.30 बजे सुराना कॉलेज मैदान पर श्री मेजर ध्यानचंद हॉकी के जादूगर के नाम से हॉकी खेल, फुटबॉल एवं खो-खो खेल का आयोजन किया जाएगा। खिलाड़ियों द्वारा खेलों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिले के टीमों के मध्य हॉकी एवं फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम समय-सुबह अतिथियों का आगमन, ध्यानचंद जी की फोटो पर माल्यार्पण, प्रारंभ रैली दौड, मुख्य अतिथियों का सम्मान, खिलाड़ियों को नाश्ता, खेल प्रारंभ एवं शामः मुख्य अतिथि एवं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी का सम्मान एवं समापन किया जाएगा। खेल दिवस के अवसर पर 30 अगस्त 2025 को मेजर ध्यानचंद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी के नाम पर जिला दुर्ग के विकासखण्ड दुर्ग के शा.उ.मा.विद्यालयः पुरई में पारंपरिक खेल आयोजन किया जायेगा। खेल का नाम कबड्डी, खो-खो, स्थानीय खेल पिट्ठुल, गेड़ी दौड़। समापन अवसर पर स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। 31 अगस्त 2025 को खेल दिवस के अवसर पर सायकल रैली का आयोजन प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) जयंती स्टेडियम में किया जा रहा है। सायकल रैली का शुभारंभ प्रगति भवन जयंती स्टेडियम से किया जाएगा। सायकल रैली निम्नानुसार मार्ग से गुजरेगी। सायकल रैली 31 अगस्त 2025 को प्रातः 08.30 बजे प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) भिलाई से प्रारंभ होकर शहीद पार्क, परिवार चौक, रेल चौक, डीपीएस चौक, एस.एस.बी. चौक, जयन्ती स्टेडियम में पिछे भाग से प्रवेश करते हुए स्टेडियम के अंदर एक चक्कर लगाकर पुनः पीछे वाली गेट से प्रगति भवन पहुंचकर रैली का समापन होगा। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान एवं खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण किया जाएगा।

खाद विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर तीन केन्द्रों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निरस्त

बेमेतरा/- संचालनालय कृषि छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, डायवर्सन, जमाखोरी, अधिक कीमत पर विक्रय, अमानक एवं नकली खाद के विक्रय पर रोक लगाने हेतु सतत् निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में उर्वरक निरीक्षक डॉ. श्याम लाल साहू द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न खाद विक्रय केन्द्रों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। पाए गए प्रकरणों में स्कंध पंजी एवं बिल बुक का संधारण नहीं करना, स्कंध एवं निर्धारित दर का प्रदर्शन नहीं करना, उर्वरक निरीक्षक को आवश्यक जानकारी उपलब्ध न कराना तथा पीओएस मशीन से खाद वितरण न करना प्रमुख रूप से शामिल है। कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। प्राधिकृत अधिकारी सह उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा-31 के तहत खाद विक्रय केन्द्रों के उर्वरक प्राधिकार पत्र निरस्त करने का आदेश जारी किया है जिसके अंतर्गत मेसर्स रेवेन्द्र कृषि केन्द्र, ग्राम हथमुड़ी, वि.खं. बेमेतरा 7 मेसर्स ओम कृषि केन्द्र, ग्राम पड़कीडीह, वि.खं. बेमेतरा 7 मेसर्स समृद्धि सुमन कृषि केन्द्र, ग्राम खण्डसरा, वि.खं. बेमेतरा शामिल हैं 7 निरस्तीकरण के बाद इन केन्द्रों पर भंडारण एवं विक्रय से संबंधित किसी भी प्रकार का व्यवसाय प्रतिबंधित रहेगा। जिला कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीमों द्वारा खाद वितरण की नियमित निगरानी की जा रही है।

स्कूल शिक्षा एवं ग्रामोद्योग मंत्री यादव ने किया खादी महोत्सव का शुभारंभ

दुर्ग/समय दर्शन। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने 27 अगस्त को छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित खादी महोत्सव का शुभारंभ किया।

सिविक सेंटर भिलाई के वेल्डेक्स ग्राउंड में ग्रामोद्योग बोर्ड अंतर्गत बुनकरों द्वारा स्वदेशी खादी वस्त्रों की बिक्री हेतु प्रदर्शनी लगाई गई है। शुभारंभ अवसर पर ग्रामोद्योग मंत्री श्री यादव ने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नही, यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित जनों से खादी वस्त्रों के महत्व पर चर्चा करते हुए स्वयं भी खादी वस्त्र खरीदा और सभी से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री राकेश पांडे, दुर्ग निगम के सभापति श्री श्याम शर्मा, पार्षदगण एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वीकृत निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ गुणवत्तायुक्त समय सीमा में पूर्ण करें : दयालदास बघेल

बेमेतरा/- जिला खनिज संस्थान न्यास शासी परिषद की बैठक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल एवं साजा विधायक श्री ईश्वर साहू की विशेष उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में जिला खनिज संस्थान के अंतर्गत स्वीकृत सभी महत्वपूर्ण कार्यों के अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मंत्री श्री दयालदास बघेल ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला खनिज न्यास संस्थान के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्य महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता एवं विकास कार्यों की आवश्यकता के आधार पर निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने अपनी मंशा जाहिर करते हुए कहा कि जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी कार्य समुचित ढंग से होनी चाहिए। उन्होंने कहा की गुणवत्ता में विशेष ध्यान देवें। गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य होने पर संबंधित अधिकारी के प्रति जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य में तेजी लाएं। कार्य की महत्ता को देखते हुए अविलंब पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि स्वीकृत निर्माण कार्यों में विलंब ना करें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी निर्माण कार्यों में कोई गड़बड़ी ना हो, शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का पालन करें। किसी भी निर्माण कार्य को लेकर भविष्य में कोई समस्या उत्पन्न ना हो, इस बात पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में साजा विधायक श्री ईश्वर साहू ने शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में संसाधन सुविधा बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में आवश्यकता के अनुसार संसाधन सुविधा बढ़ाने के लिए स्वीकृति देवें। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता मंडावी, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेई, एसडीएम बेमेतरा प्रकाश भारद्वाज एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने बताया कि जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत 60ञ उच्च प्राथमिकता एवं 40ञ अन्य प्राथमिकता के कार्यों को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र की जनता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा एवं जनप्रतिनिधियों की मांग प्रस्ताव के आधार पर जिला खनिज न्यास संस्थान के अंतर्गत निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को कड़ी निर्देश देते हुए कहा कि जिला खनिज न्यास संस्थान के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे आपत्ती निर्मित हो। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों के लिए खरीदे जाने वाले सामग्रियों में निर्धारित बाजार मूल्य का ध्यान रखें।

कचरे का विनिष्टीकरण जरूरी है

खेल से लेकर पत्रकारिता तक, कचरे का हो रहा फैलाव

बिलासपुर (समय दर्शन)। खराब मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर करती है। यह सिद्धांत केवल अर्थशास्त्र में लागू होता है ऐसा नहीं है। इन दोनों बिलासपुर जिले में यह सिद्धांत खेल संगठन के क्षेत्र में, पत्रकारिता के क्षेत्र में और उसे एजेंसी पे लागू होता है। जिसका काम कानून व्यवस्था पर नियंत्रण करना है मुद्दे को सिलसिले से समझते हैं।

बिलासपुर में खेल संगठनों का लंबा इतिहास है, खेल की अधकचरी जानकारी रखने वाले ने अपंजीकृत संगठनों का निर्माण किया अपने संगठनों को ना तो किसी का एप्लीकेशन दिलाया ना ही पंजीयन कराया। पर पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र और अपंजीकृत संगठन में पद खूब बांटे। ऐसे लोग जिन्हें अपने चार पहिया वाहन में बड़ी तख्ती और पदनाम लिखने का शौक है। वे इन पदों को योग्यता से नहीं द्रव्य से प्राप्त करते हैं। तभी तो बिलासपुर में कई खेल संगठनों के राष्ट्रीय संयोजक तक घूमते देखे जा सकते हैं। पूरे साल में एक दो कार्यक्रम और गोद में बैठने वाली मीडिया को मुंह में दो कौर। कार्यक्रम की सफलता बन जाती है, नुकसान खेल का ही नहीं प्रतिभाओं का भी होता है उनके प्रमाण पत्र किसी प्रकार की वैधानिक मान्यता नहीं रखते नुकसान दूरगामी होता है।

छत्तीसगढ़ के युवा खेल के असली स्थान तक पहुंच ही नहीं पाते कई बार तो बड़ी ठगी का शिकार हो जाते हैं ऐसे संगठन का धंधा ज्यादा दिन नहीं चलता लिहाजा संगठन के परजीवी अपने वसूली अभियान के लिए पत्रकारिता की छतरी खोलते हैं। पैसा सड़क पर बिखरा पड़ा है उठाने के लिए हाथ चाहिए। झोलाछाप डॉक्टर, कबाड़ी, बिजली चोर, सट्टा, गांजा, दारू के अड्डे रोज कमाई का बढ़िया साधन है। वसूली गैंग में यदि महिला है तो करेला नीम चढ़ा। साम, दाम, दंड, भेद काला अक्षर भैंस बराबर आईडी लगा दी और पैसा खड़ा है। ज्यादा हुआ तो बीपीएल कार्ड के आधार पर आरटीआई के सैकड़ो आवेदन, ?10 की लागत से 10000 कमाने का टोटका ऐसे कुकुरमुत्ते टाइप खबरचियों की खाकी से दोस्ती बहुत गहरी होती है। क्षेत्र की पुलिस अच्छे लिखने वाले को भले न पहचाने आईडी लेकर पूछने वाले को जरूर पहचानती है। खबर लिखने का दाम अलग ना लिखने का उनसे डेढ़ गुना। जीवन काल लंबा नहीं होता पर पैसे को स्थाई नुकसान पहुंचा रहा है यही कारण है कि शहर से लेकर ग्रामीण थाने तक पत्रकारों के खिलाफ वसूली की एफआईआर बढ़ गई है। मस्तूरी, पचपेड़ी, बिल्हा, सिरगिट्टी जहां जहां कच्चे धंधे की कमाई ज्यादा है वहां कर खरीद कर उसकी ईएमआई चुकाने का दबाव क्षेत्र के थाने पर डाला जाता है। यही कारण है की जनसुनवाई जैसे संवेदनशील मामलों में भी तथ्यात्मक समाचारों की कमी अभी हाल ही में देखी गई, जबकि कुछ माह पूर्व जब तखतपुर क्षेत्र के एक कोलवासरी की जनसुनवाई थी तो मुद्दे वैज्ञानिक थे इस बार मुद्दे कॉपी पेस्ट किया जा रहे थे। सवाल है कि खराब मुद्रा को नियंत्रित कौन करेगा हमें अपनी कार्यक्षेत्र में स्वयं ही बड़ा करना होगा यदि हम घटनास्थल पर नहीं जाते तो जो जाता है उसी को सत्य मान लिया जाता है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

//ईश्तहार//
ई कोर्ट न. ब/121 वर्ष 2004-25
ग्राम नवागांव को. प.ह.न-08

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बहल पिता अघनू जाति गोंड़ निवासी ग्राम बिरकोना तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा डुप्लीकेट किसान किताब जारी कराने हेतु आवेदन पेश किया गया है। ग्राम नवागांव को0 प.ह.नं. 08 रा.नि.मं. पिपरिया में स्थित भूमि ख0नं0 218/2 रकबा 0.194 हे. भूमि बहल पिता अघनू गोड़ के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में जारी ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से डुप्लीकेट किसान-किताब जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। हल्का पटवारी से रिपोर्ट प्राप्त। नोड्यूज प्राप्त।

उपरोक्त आवेदित भूमि के डुप्लीकेट किसान-किताब जारी करने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तिथि तक अपना दावा / आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 29/08/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क. ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम- मिरमिट्टी प.ह.नं. 05

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक चेलाराम जोशी पिता पुनुवाराम जोशी साकिन मिरमिट्टी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने पुत्री रश्मि जोशी के जन्म प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र अनुसार आवेदक के पुत्री रश्मि जोशी के जन्म तिथि 24/02/2007 को ग्राम मिरमिट्टी में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 21/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक-05/09/2025

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया

संक्षिप्त-खबर

योजनाओं का लाभ लेने किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य

मुंगेली (समय दर्शन) शासन द्वारा किसानों के हित में एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसान आईडी तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त हितेश कुमार श्रीवास ने बताया कि इस पंजीयन से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, किसान क्रेडिट कार्ड, उर्वरक अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि मशीनीकरण योजना एवं मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना सहित केंद्र एवं राज्य शासन की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। भू-अभिलेख अधीक्षक ऋचा गुप्ता ने बताया कि किसान स्वयं मोबाइल ऐप से पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय सीएससी सेंटर, सेवा सहकारी समितियाँ एवं पटवारी के माध्यम से भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के लिए कृषि भूमि से संबंधित दस्तावेज (बी-1, खतौनी, ऋण पुस्तिका), आधार कार्ड तथा मोबाइल नंबर आदि दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ेगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे समय पर एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन अवश्य कराएँ, जिससे उन्हें शासन की योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो सके।

घर के आंगन में बना रहा था भारी मात्रा में शराब,,,कोसीर पुलिस ने दी दबिश

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के अलग अलग थानों में लगातार अवैध जुआ सट्टा शराब जैसे मामलों में पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है आज सिटी कोतवाली ने भी भारी मात्रा में नशा के सौदागर पर ताबड़तोड़ कार्यवाही किया है आज गांजा तस्करी पर सिटी कोतवाली ने कार्यवाही की तो वहीं कोसीर पुलिस ने भी शराब मामले में बड़ी कार्यवाही की है मिली जानकारी अनुसार कोसीर पुलिस ने शराब तस्करी के मामले में बड़ी सफ्लता मिली है मुखबिरी सुचना से ग्राम सिंघनपुर में भारी मात्रा में शराब बनाया जा रहा है सुचना मिलते ही कोसीर पुलिस की टीम बनाकर गांव पहुंचकर छापामार कार्यवाही किया गया वहीं पुलिस ने बंसी लाल यादव के घर यहां छापामारा है जहां आरोपी के घर से आंगन में भारी मात्रा में शराब बनाया जा रहा था जहां 10 सफेद रंग की जेरीकन में 5 /5 लीटर शराब भरा हुआ था और दो पीला रंग की जेरीकन में 15/15 लीटर शराब भरा हुआ था कुल 80 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया आपको बता दे साथ पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बनाने वाली सामग्री भी जप्त किया गया है जिसमें 4 नग गैस चूल्हा डबल बर्नर वाला,4 गैस सिलेंडर,16 नग तबेला, भी जप्त किया गया है जप्त के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि शराब तस्कर कितनी मात्रा में बनाता था जिसकी मजबूत तंत्र से कोसीर पुलिस ने सफ्लता पाई है पुलिस ने गवाहों के समक्ष जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया इस पूरे कार्यवाही में थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे, सहायक उपनिरीक्षक टेसराम जांगडे, प्रधान आरक्षक बिरेंद्र सिंह ठाकुर, महिला प्रधान आरक्षक अनजना मिंज, आरक्षक प्रदीप रात्रे, धनंसाय कुर्रे, गिरजाशंकर देवागन प्रकाश रात्रे और पूरी स्टॉप की अहम भूमिका रहे।

नंदिनी अहिवारा में हमर पोरा तिहार 31 अगस्त को

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना एवं छत्तीसगढ़िया समाज अहिवारा द्वारा पोरा तिहार का आयोजन दिनांक 31/08/2025 को दोपहर 12 बजे से रैली नंदिनी टाउनशिप शिव राम मंदिर से प्रारंभ होगा जोकि दईहान नगर पालिका अहिवारा के पास मंची कार्यक्रम के साथ समापन होगा। उक्त यात्रा में बस्तरिया मांदरी नित्य पंथी नृत्य राऊत नाचा अखाड़ा प्रदर्शन सुवा नित्य नव दुर्गा नित्य बईला गाड़ी के रैली रहेंगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्यरूप से डां अजय यादव प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अमित बघेल प्रदेशाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं अन्य अतिथि सामिल होगें।

श्रीगणेश चतुर्थी व नुआखाई के अवसर पर पूर्व छात्रों ने स्टडी किट,एवं टीचर किट प्रदान किया

बसना (समय दर्शन)। नुआखाई की पूर्व संध्या पर श्रीगणेश चतुर्थी के अवसर पर शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला बिजराभांठा, संकुल केंद्र नौगड़ी, विकास खण्ड बसना में पूर्व छात्रों द्वारा विद्यालय के लगभग दो सौ विद्यार्थियों को(एलुमनी किट) स्टडी कीट तथा टीचर स्टाफ को ऑफ्सि किट प्रदान किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बिजरा भांठा के पूर्व सरपंच संतलाल नायक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ शिक्षक अनिल सिंह साव ने बताया कि, बिजरा भांठा के पूर्व छात्रों द्वारा स्टडी प्वाइंट एंड कैरियर संस्थान का संचालन रायपुर के चार स्थानों पर किया जा रहा है।

उन्होंने विद्यालय के छात्रों को कैरियर सम्बन्धी जानकारी देकर प्रेरित किया।

विद्यालय के शिक्षक अनिल सिंह साव, गुननिधि सिदार , हरिहर पटेल , शिवचरण चौधरी ने पूर्व छात्रों को इस नेक कार्य के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं दी। विद्यालय के छात्र और शिक्षक पूर्व छात्रों को अपने बीच पाकर खुश हुए।

पूर्व छात्रों ने पुराने दिनों की यादों को ताज़ा कर शिक्षकों का आशीर्वाद लिए।

विद्यालय के प्रभारी प्रधान पाठक अरुण कुमार निषाद के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन शिक्षक उत्तरा कुमार चौधरी ने किया।

फुलझर अंचल मे नुआखाई पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। फुलझर अंचल क्षेत्र में पारंपरिक त्योहार नुआखाई का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सिरको मे कोलता समाज ने इस परंपरागत पर्व को सामूहिक रूप से मनाकर एकता और संस्कृति का अद्भुत संदेश दिया। वहीं ग्राम कुटेला के नायक परिवार के 150 सदस्य इस पर्व मे सौहार्द के साथ एकत्र होकर पर्व मांगल्य की खुशियाँ बिखेरी।

28 अगस्त, गुरुवार को आयोजित इस पर्व में समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में एकत्र हुए। नुआखाई का अर्थ है नवा अन्न का स्वागत। इस दिन परिवार का सबसे बड़ा सदस्य नई फसल को पकाकर नवाचारा के रूप में प्रसादी पूरे परिवार को वितरित करता है। इसके बाद सभी सदस्य बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हैं और छोटे-छोटों को स्नेह प्रदान किया जाता है।

धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न होते हैं । ग्राम सिरको, कुटेला, गढ़फुलझर, तोषगांव, बसना आदि अनेक ग्रामों में इस अवसर पर पारंपरिक लोकगीत, आराधना के बीच पर्व मनाते आपसी भाईचारे की झलक साफ दिखाई दिया ।

यह पर्व न केवल नई फसल के स्वागत का प्रतीक है बल्कि प्रकृति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भी प्रतीक माना जाता है।

पर्व मांगल्य के अवसर पर शुद्ध शाकाहारी व्यंजन बनाए गए। महुआ व कोरिया के पत्तल पर खीर, पूरी, बड़ा, चावल के लड्डू एवं पारंपरिक पकवान परोसे गए और सामूहिक भोज का आयोजन हुआ।

फुलझर अंचल के हर घर-आंगन में पूजा-पाठ और उल्लास के स्वर गूंजते रहे। नुआखाई पर्व आपसी भाईचारे, परिवार की एकजुटता और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का पर्व है। जिसे अंचल के अनेक समाजों ने परंपरा अनुसार भव्यता से यह पर्व मनाया।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर उप स्वास्थ्य केंद्र टेमर में नहीं हुआ ध्वजारोहण, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

- कलेक्टर से शिकायत कार्यवाही की मांग

सक्ती (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ग्राम टेमर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में ध्वजारोहण नहीं किए जाने से ग्रामीणों में गहरी नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह राष्ट्र के गौरव और मर्यादा का अपमान है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों ने बताया कि जब वे 15 अगस्त की सुबह उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां ध्वजारोहण की कोई तैयारी नहीं थी। न तो केंद्र में कोई कर्मचारी उपस्थित था और न ही कोई झंडा फहराया गया। इस लापरवाही से ग्रामीणों की भावनाएं आहत हुई हैं।

ग्रामवासियों ने इस पूरे मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से करते हुए मांग की है कि जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए प्रशासन सख्त दिशा-निर्देश जारी करे।

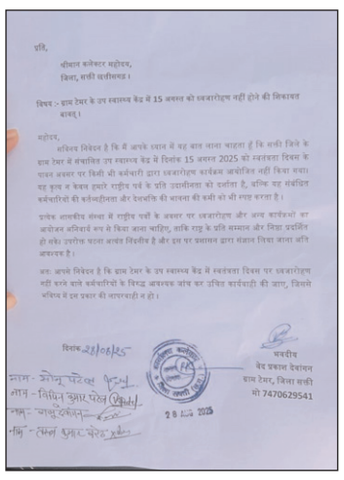

ग्रामीण ने कहा, सरकारी संस्थानों से हम उम्मीद करते हैं कि वे राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का उदाहरण पेश करें, लेकिन यहां तो खुद लापरवाही दिखाई गई।

इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर जारी है और ग्रामीणों को अब जिला प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार है।

धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी मोदी की गारंटी खोजने निकले

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द मे एन एच एम संविदा कर्मियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगो को लेकर रंगोली के माध्यम से शासन प्रशासन का ध्यान केंद्रित किया गया।

सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ के माध्यम से प्रदर्शन किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्।रू) के कर्मचारी नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। धरना स्थल लोहिया चौक, महासमुन्द से कर्मचारियों ने तख्तियों, बैनरों और मोदी की गारंटी के नारों के साथ रंगोली के माध्यम से आम जनता के बीच लोहिया चौक में मांगों से अवगत कराया। महिला कर्मचारियों ने भी तीजा, गणेश चतुर्थी व्रत रखकर पर्व के अवसर पर परंपरागत रीति-रिवाज को बखूबी निभाते हुए भी आंदोलन मे उपस्थित रहकर धरना स्थल पर आंदोलन का समर्थन करते डटे रहे।

एन एच एम संविदा कर्मी महिलाओं ने अपनी जायज मांगो को लेकर रंगोली के माध्यम से शासन प्रशासन का ध्यान केंद्रित किया गया।

गौरतलब हो कि, कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन आंदोलन में चले जाने से उप स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाएँ पूरी तरह चरमरा गई हैं।

जिससे आम जनता को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर नहीं मिल पा रही हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाएँ ठप होने के लिए वे नहीं, बल्कि शासन का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राम गोपाल खूंटे,एवं संदीप चंद्राकर, डॉ बी एल मिश्रा, कमला तांडी, पूनम त्रिपाठी, डॉ देवेंद्र साहू, डॉ मधुराज, भानुप्रताप साहू, जयकांत विश्वकर्मा, ढोलचंद नायक, दुधेश पटेल, हेमकुमारी ध्रुव, तेजस राठौर, मनीष चंद्राकर, नेहा चंद्राकर, लालजीत पटेल, प्रेमनाथ बंजारे, त्रिवेणी, प्राविन नागदेव, देवकुमार डडसेना आदि कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि नियमितीकरण, ग्रेड पे और लंबित 27व वेतन वृद्धि सहित सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि, यदि शासन जल्द ही उनकी मांगों पर लिखित निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन और उग्र हो सकता है।

आज कर्मचारियों ने चार समूहों में विभाजित होकर, प्रधानमंत्री के घोषणा पत्र में उल्लिखित 100 दिनों में नियमितीकरण के वादे को जनता के बीच प्रस्तुत किया और बड़े नेताओं के मंचों से दिए गए वक्तव्यों को सबूत के रूप में साझा कर शासन का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास किया।

धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मोदी की गारंटी खोजने निकले।

अखिल भारतीय उड़िया समाज दुर्ग जिला महिला विंग की अध्यक्ष बनी जयंती महानंद

रिसाली (समय दर्शन)। रिसाली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण शहर नगर पालिका निगम रिसाली कि सक्रिय कांग्रेस पदाधिकारी एवं कांग्रेस के हर कार्यक्रम मे सक्रिय भुमिका निभाने वाली समर्पित कर्मठ पदाधिकारी युवा कांग्रेस से भी जुड़कर अच्छे कार्य कर रही जिनके कार्यों से प्रभावित होकर अखिल भारतीय उड़िया समाज ने आगे बढ़कर सम्मानित पद से सम्मान किया है ।चंद्रकांत कोरे

महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण शहर नगर पालिका निगम रिसाली ने अखिल भारतीय उड़िया समाज दुर्ग जिला महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती जयंती महानंद को बनाए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं बधाई दिया है उन्होंने कहा कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के पुर्व विधायक एवं गृह लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने साथ ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रिसाली के समस्त पदाधिकारी व जोन अध्यक्ष गण सेक्टर प्रभारी गण एवं नगर पालिका निगम रिसाली के महापौर सभापति एम आई सी मेंबर गण पूर्व पार्षद पुर्व एल्डर मेन समस्त कांग्रेस जनों ने बधाई दिया हैं। श्रीमती जयंती महानंद को बधाई शुभकामनाएं दिया है।

पुनीत सिन्हा को स्थायी सचिव के रूप मे पदस्थापना हेतु ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित

- मुख्य कार्य अधि जनपद पंचायत पिथौरा को सौंपा ज्ञापन
- लगभग 200 समाज प्रमुखों,पंचायत पदाधिकारियों सहित ग्रामीणों ने की 8 पेज पर हस्ताक्षर

पिथौरा (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पिथौरा के ग्राम पंचायत किशनपुर में स्थायी सचिव के रूप में पुनीत सिन्हा की पदस्थापना हेतु 26 अगस्त को आयोजित ग्राम सभा प्रस्ताव पारित किया गया है । जहाँ लगभग 200 समाज प्रमुखों,पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने 8 पेज पर हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन जनपद पंचायत पिथौरा के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को सौंपा गया है ।

कुल 36 समाज के अध्यक्ष राजकुमार बरिहा उपाध्यक्ष बलभद्र साहू, सरपंच प्रतिनिधि संजय बरिहा ने मुख्यकार्यपालन अधिकारी को सौंपे गए आवेदन पत्र में बताया कि पुनीत सिन्हा लगभग तीन वर्षों से ग्राम पंचायत में पदस्थ हैं उनके पदस्थ होने से ग्राम विकास के कार्यों को गति प्राप्त हुआ एवं ग्राम पंचायत में अनेकों विकास कार्य हुआ है। वरिष्ठ एवं अनुभवी होने के

कारण शासन के सभी महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारियां रखते हैं और उसका लाभ ग्रामीणों को हमेशा प्राप्त होता है , ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ,समाज प्रमुखों एवं ग्रामीणों के प्रति उनका व्यवहार उत्तम है ,उनके कार्यों से ग्राम पंचायत के सभी प्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों एवं ग्रामीण जन पूर्ण रूप से संतुष्ट हैं। श्री सिन्हा को पूर्ण रूप से ग्राम पंचायत किशनपुर में सचिव के रूप में पदस्थ करने की माँग करने वालों में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत किशनपुर के सरपंच श्रीमती रिबिकान्ति बरिहा, ग्राम पटेल गौरहरी प्रधान,पूर्व सरपंच आनंदराम खुटे ,सुरीत कैवर्त , 36कुल समाज केअध्यक्ष राजकुमार बरिहा, उपाध्यक्ष बलभद्र साहू, सचिव दिलकुमार बांक, बिंझवार समाज जनेक बरिहा, सोनझोलिया समाज जोगलाल बरिहा, यादव समाज घनश्याम यादव, गोंड समाज सुमित सिदार, केंवट समाज रामलाल कैवर्त, संवरा समाज नंदलाल मांझी, कुम्हार समाज नारायण राणा, लोहार समाज कन्हैया लाल विश्वकर्मा, कलार समाज रामवतार सिन्हा, सतनामी समाज चेतन मिरी (जगदीश मिरी), घसिया समाज प्रितराम बंछोर, कोड़ा समाज मेनू (नेहरू) ,तेली समाज

खधु साहू, बिंझवार समाज पुर्व अध्यक्ष धनसिंग बरिहा,पंचायत पदाधिकारियों में जयलाल बरिहा, खीर सागर कश्यप, रजनी बंछोर,केवराबाई,फूलबाई, कलावती, चंद्रकला, प्रमोद बरिहा, कार्तिक यादव,शारदा साहु सहित 8 पेज पर लगभग 200 से अधिक ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर माँग किये हैं ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27